सुविचार

"जीवन के बारे में एक मजेदार बात यह है कि यदि आप सर्वश्रेष्ठ वस्तु से कुछ भी कम स्वीकार करने से इंकार करते हैं तो अकसर आप उसको प्राप्त कर ही लेते हैं।" - डब्ल्यू. सोमरसेट मोघम

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-220, रविवार 26 जून 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

शिंदे के बेटे और बागी एमएलए के घर-दफ्तर पर शिवसैनिकों का हमला; एकनाथ समेत 16 विधायकों को नोटिस

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बोले उद्धव ठाकरे- बाला साहेब ठाकरे के नाम का इस्तेमाल किसी को नहीं करने देंगे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में अपनी सरकार बचाने की जदोजहद के बीच आज सीएम उद्धव ठाकरे राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर रहे हैं। इस बैठक में सीएम ने शिवसेना से विद्रोह कर चुके शिंदे और अन्य विधायकों को लेकर भी कई बाते कहीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग मुझसे कुछ कहने के लिए कह रहे हैं लेकिन मैं पहले ही कह चुका हूं कि वे बागी विधायक जो करना चाहते हैं कर सकते हैं, मैं उनके मामलों में दखल नहीं दूंगा। वे अपना फैसला खुद ले सकते हैं, लेकिन किसी को भी बालासाहेब ठाकरे के नाम का इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा।

6 प्रस्ताव पारित, गद्दारी करने वालों पर होगी कार्रवाई: राउत

शिवसेना नेता संजय राउत ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद कहा कि हमने 6 प्रस्ताव पारित किए हैं और तय किया है कि शिवसेना बालासाहेब ठाकरे की हिंदुत्व विचारधारा का पालन करेगी और संयुक्त महाराष्ट्र की विचारधारा से समझौता नहीं करेगी। राउत ने आगे कहा कि पार्टी से गद्दारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बालासाहेब के नाम का इस्तेमाल करने नहीं दिया जाएगा। महाराष्ट्र में सियासी उठापटक के पांचवे दिन शिवसेना कार्यकर्ताओं ने एकनाथ शिंदे के बेटे व कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे के दफ्तर पर तोड़फोड़ की है। ठाणे के उल्हासनगर इलाके के दफ्तर में शिवसैनिकों ने पत्थर फेंके हैं। इसके अलावा शिंदे गुट के विधायक तानाजी सावंत के पुणे स्थित घर और दफ्तर पर भी तोड़फोड़ की गई है।

इधर, डिप्टी स्पीकर ने एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को नोटिस जारी कर 27 जून तक जवाब मांगा है। नोटिस में कहा गया है कि क्यों न आपकी सदस्यता रद्द कर दी जाए? दरअसल, शिवसेना ने 16 बागी विधायकों के सदस्यता रद्द करने की अर्जी शुक्रवार को डिप्टी स्पीकर को दी थी।

सुलगते बम पर बैठे हैं बागी विधायक

शिवसेना की हाईलेवल मीटिंग में उद्धव ने शिंदे पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- शिंदे पहले नाथ थे, लेकिन अब दास हो गए हैं। उद्धव ने आगे कहा कि सुलगते बम पर बागी बैठे हुए हैं। बालासाहब का नाम लेकर कोई पॉलिटिक्स नहीं कर पाएंगे। मीटिंग के बाद संजय राउत ने कहा- वोट मांगना हो तो अपने बाप के नाम से मांगो, शिवसेना के बाप के नाम का इस्तेमाल मत करो। उद्धव की मीटिंग में 6 प्रस्ताव पास किया गया।

- शिवसेना बालासाहब की है और रहेगी और किसी को भी बालासाहब के नाम का इस्तेमाल नहीं करने दिया जाएगा।
- बागी गुट के नेता एकनाथ शिंदे से शिवसेना संगठन में से नेता का पद छीन लिया जाए।
- बागी विधायको पर कारवाई करने का अधिकार शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे को दिया गया है।
- मराठी अस्मिता और हिंदुत्व के मुद्दे पर आगे शिवसेना और आक्रमक रवैया अपनाएगी।
- कोरोना काल में उद्धव ठाकरे किए काम और धारावी मॉडल की सराहना को लेकर धन्यवाद पेश किया गया।
- मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में फिर से शिवसेना की जीत का संकल्प लिया गया।

शिंदे गुट ने समूह का नाम शिवसेना बालासाहेब रखा

शिवसेना प्रमुख का यह बयान तब आया है जब एकनाथ शिंदे गुट ने अपने समूह का नाम शिवसेना बालासाहेब रख दिया है। इस बात पर पूर्व गृह राज्य मंत्री और बागी विधायक दीपक केसरकर ने मुहर लगाई है। उन्होंने बताया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले विधायकों ने एक नया समूह बनाया है जिसका नाम शिवसेना बालासाहेब रखा है।

एकनाथ शिंदे के बेटे के कार्यालय पर हमला

इन बैठकों से पहले महाराष्ट्र के कई हिस्सों में आज शिवसैनिकों ने हिंसक प्रदर्शन किया और बागी नेताओं के कार्यालय पर हमला किया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ लोगों ने ठाणे जिले के कल्याण से लोकसभा सांसद और शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे के कार्यालय के बाहर बोर्ड को नुकसान पहुंचाया है।

इसमें कुछ लोगों को श्रीकांत शिंदे के उल्हासनगर कार्यालय पर पथराव करते हुए दिखाया गया है और उन्हें उद्धव ठाकरे के समर्थन में नारे लगाते हुए भी सुना जा सकता है। वीडियो में चार पुलिसकर्मियों को आठ से दस लोगों के समूह का पीछा करते हुए देखा जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस घटनास्थल पर है और जांच जारी हैइ

शिंदे ने जारी की 38 विधायकों की सूची

गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में विधायकों की बैठक के बाद एकनाथ शिंदे ने 38 विधायकों की सूची जारी की है। इससे पहले, शिंदे ने 23 जून को 34 शिवसेना विधायकों की सूची जारी की थी। महाराष्ट्र में सरकार गिराने के लिए शिंदे को सिर्फ 37 शिवसेना के विधायकों की जरूरत है।

संजय राउत बोले- शिवसेना आग है, आग से मत खेलो। हम चुप हैं, इसका मतलब नामर्द नहीं हैं। शिवसैनिक भड़के, तो सब कुछ जल जाएगा। जनता में आक्रोश है और गुवाहाटी में बैठे लोगों को यह नहीं दिख रहा है।

रामदास आठवले ने कहा- अल्पमत में एमवीए सरकार, शिंदे के प्रति सहानुभूति

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में एमवीए सरकार को अब विधायिका में बहुमत हासिल नहीं है क्योंकि शिवसेना के दो-तिहाई से अधिक विधायक बागी नेता एकनाथ शिंदे के साथ हैं। रामदास अठावले ने पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। रामदास अठावले ने ट्वीट किया भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय देवेंद्र फडणवीस ने आज मुंबई में उनके आवास पर उनसे मुलाकात की। राज्य के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री अठावले ने कहा %शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे को दो-तिहाई से अधिक विधायकों का समर्थन प्राप्त है, इस प्रकार एमवीए सरकार अल्पमत में आ गई है। फडणवीस ने मुझे बताया कि इस विकास में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है। भाजपा ने न तो इस विद्रोह की शुरुआत की है और न ही इसका समर्थन किया है, उन्होंने मुझसे कहा। भाजपा इंतजार करेगी और देखेगी।

हमने सरकार बनाने के बारे में नहीं सोचा

रामदास अठावले ने कहा- हमने सरकार बनाने के बारे में नहीं सोचा है। हम देखेंगे कि आने वाले समय में क्या होता है। शरद पवार, अजीत पवार, उद्धव ठाकरे, संजय राउत के ये कहने के बारे में कि वे बहुमत दिखाएंगे, इतने सारे विधायक आपको छोड़ चुके हैं, शिवसेना से 37 और 7-8 निर्दलीय, आप ऐसा कैसे कह सकते हैं? उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं को बागी विधायकों को धमकाना नहीं चाहिए, अगर शिवसेना पार्टी के कार्यकर्ता दादागिरी में शामिल होते हैं, तो हम उसी तरह से प्रतिक्रिया करने में सक्षम हैं।

विज्ञान भारती के अधिवेशन में सीएम योगी आदित्यनाथ बोले-

ज्ञान जहां से भी आए, उसके लिए अपनी दृष्टि को खुला रखिए, यही है भारतीय दृष्टि

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। डाक्टर अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में आयोजित अधिवेशन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोकतंत्र सेनानियों को भी नमन किया। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। ज्ञान जहां से भी आए अपनी दृष्टि खुली रखें और उसको स्वीकार करें। विज्ञान ने हर तरफ विकास कार्य में बड़ी मदद की है। इसका भी श्रेय प्राचीन भारत के मनीषियों को है। जिनकी एक वैज्ञानिक सोच और दृष्टिकोण ने हमको अच्छी सीख दी। मनीषियों ने ही

कहा कि कोई भी चीज नष्ट नहीं होती है उसका स्वरूप बदल जाता है। उन्होंने कहा कि केवल मनुष्य और प्राणी में ही नहीं बल्कि हर जन्तु और पेंड-पौधों में भी संवेदनाएं होती है। दुनिया को यह दृष्टि भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु जो एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे, ने दी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं वैज्ञानिकों से आग्रह करूंगा कि जिस क्षेत्र में आप हैं उसमें लिखने की आदत डालिए, सही जानकारी लिखिए, फिर उस पर चर्चा कीजिए। अपने रिसर्च पब्लिकेशन को आगे बढ़ाने का प्रयास करिए। उन्होंने कहा कि पांच हजार वर्ष पहले गीता का संदेश जितना प्रासंगिक था, आज भी उसका महत्व उसी रूप में है। हम पिछड़े कैसे, क्योंकि हमने अपने ज्ञान को धार्मिक दृष्टि से तो अंगीकार किया, लेकिन उसके व्यावहारिक स्वरूप को अंगीकार करने का प्रयास नहीं किया। अंग्रेजी तिथि में वैज्ञानिक दृष्टि का अभाव है, लेकिन विक्रम संवत में वैज्ञानिक दृष्टि निहित है। ज्ञान जहां से भी आए, उसके लिए अपनी दृष्टि को खुला रखिए, यही भारतीय दृष्टि है, यह अपने आप में एक वैज्ञानिक दृष्टि है।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कैप्टन मनोज कुमार की जयंती पर किया सादर नमन

भोपाल। मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कारगिल युद्ध में पाक सेना को परास्त कर वीरगति प्राप्त करने वाले परमवीर

चक्र से सम्मानित कैप्टन मनोज कुमार पाण्डे की जयंती पर सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि मां भारती के सम्मान की रक्षा में महज 24 वर्ष की उम्र में इस शूरवीर का बलिदान देश सदैव याद रखेगा। साथ ही उन्होंने देश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री व स्वतंत्रता सेनानी श्रीमती सुचेता कृपलानी जी की जयंती पर भी सादर नमन किया ।

राहुल को अस्पताल से मिली छुट्टी, घर में जश्न

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा के पिहरीद गांव में 60 फीट गहरे बोरवेल में गिरकर घायल हुआ राहुल साहू अब पूरी तरह से ठीक हो चुका है। उसे शनिवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। वहीं राहुल को विदा करने बड़ी संख्या में अस्पताल स्टाफ पहुंचा था। अस्पताल की तरफ से उसे गिफ्ट भी दिया गया है। जांजगीर कलेक्टर जितेंद्र शुक्ला और एसपी विजय अग्रवाल खुद जांजगीर से बिलासपुर राहुल को लेने पहुंचे थे। इस दौरान बिलासपुर प्रशासन और स्थानीय नेता भी मौजूद थे। बिलासपुर प्रशासन की तरफ से भी राहुल को गिफ्ट दिया गया है। उधर, राहुल के घर पहुंचते ही घर और गांव में जश्न शुरू हो गया, जगह-जगह पर तिलक लगाकर उसका स्वागत किया गया।

राहुल पिछले कुछ 10 दिनों से अस्पताल में भर्ती था। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उसने ठीक होने के बाद डॉक्टरों के साथ खूब मस्ती भी की है। उसका नया वीडियो भी सामने आया था। नए वीडियो में वह बॉल के ऊपर बैठकर कूदता नजर आ रहा था। 10 वर्षीय राहुल साहू अब बिना सहारे के चलने भी लगा है।

अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ के साथ ही फीजियोथैरेपिस्ट लगातार राहुल के इलाज में जुटे थे। फीजियोथैरैपी का ही नतीजा है कि वह अब एकदम ठीक हो गया है और पहले की तरह मस्ती करने लगा है। राहुल 10 जून को उसके घर के पीछे बने बोरवेल के गड्?ढे में गिर गया था। इसके बाद से वह लगभग 4 दिनों तक अंदर ही फंसा रह गया था। करीब 106 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला जा सका था। आईजी बोले- राहुल की जीवटता और साहस की तुलना नहीं की जा सकती

रेड के दौरान आईएएस के बेटे की मौत

चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब के सीनियर आईएएस अफसर संजय पोपली के बेटे कार्तिक पोपली (26) की गोली लगने से मौत हो गई। घटना के वक्त विजिलेंस टीम पोपली के चंडीगढ़ स्थित घर पर जांच के लिए पहुंची थी। परिवार का आरोप है कि कार्तिक को विजिलेंस टीम ने गोली मारी है। वहीं, चंडीगढ़ के एसएसपी कुलदीप चहल ने कहा कि कार्तिक ने अपने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी है।

इकलौते बेटे की मौत के बाद मां ने कहा कि उसके बेटे की मौत के लिए पुलिस जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि जब तक इन पुलिस वालों की वर्दी न उतरवाई, वह बेटे के खून लगे हाथ को नहीं धोएंगी। विजिलेंस ने 4 दिन पहले ही संजय पोपली को करप्शन के मामले में चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उनके खिलाफ जांच की जा रही थी। पोपली को आज ही मोहाली कोर्ट में पेश किया जाना है। परिवार का आरोप है कि उन्हें मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। विजिलेंस उन पर झूठे बयान देने के लिए दबाव डाल रही थी।परिवार के मुताबिक विजिलेंस की टीम उनके घर आई थी। इस दौरान वहां छानबीन की गई। विजिलेंस कोई रिकवरी करने के लिए आई थी।

राष्ट्रपति पद के चुनाव में एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के साथ बसपा, मायावती ने की समर्थन देने की घोषणा

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रपति पद के लिए 18 जुलाई को होने वाले चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने द्रौपदी मुर्मू को मैदान में उतारा है तो संयुक्त विपक्ष के प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यशवंत सिन्हा हैं। बसपा की मुखिया मायावती ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए द्रौपदी मुर्मु को अपना समर्थन दिया। द्रौपदी मुर्मू के समर्थन के साथ ही मायावती ने विपक्षी दलों पर बसपा को अलग-थलग रखने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति के चुनाव में उत्तर प्रदेश के वोट की काफी महत्ता है। राष्ट्रपति पद के चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा तथा सहयोगी दल और समाजवादी पार्टी तथा सहयोगी दलों के पत्ते खोलने के बाद बारी बहुजन समाज पार्टी की है। बसपा के वोट काफी

मायने रखते हैं। ऐसे में बसपा की मुखिया मायावती शनिवार को अपना मत रखा दिया।मायावती ने कहा कि हमने एनडीए के राष्ट्रपति चुनाव की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किया है। हमने यह फैसला ना तो भाजपा या एनडीए के समर्थन में और ना ही विपक्ष के खिलाफ लिया है, बल्कि अपनी पार्टी और आंदोलन को ध्यान में रखते हुए लिया है। हमारी पार्टी ने आदिवासी समाज को अपने मूवमेंट का खास हिस्सा मानते हुए द्रौपदी मुर्मू समर्थन देने का फैसला किया।

हमने अपनी पार्टी के मूवमेंट को ध्यान में रखते हुए एक आदिवासी समाज की योग्य और कर्मठ महिला को देश की राष्ट्रपति बनाने के लिए यह फैसला लिया है। हमने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के रूप में खुलकर अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है। बसपा प्रमुख ने कहा एनडीए के समर्थन में नहीं बल्कि आदिवासी समाज के समर्थन में बसपा ने यह निर्णय लिया है।

वह अपने इस कदम को बसपा के सामाजिक आंदोलन का हिस्सा मानती हैं। मायावती ने विपक्ष पर उनसे सलाह न लेने के लिए भी निशाना साधा। ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक विपक्षी उम्मीदवार का चयन करने के लिए 15 जून को बुलाई गई बैठक में केवल चयनित पार्टियों को आमंत्रित किया और जब शरद पवार ने 21 जून को एक बैठक बुलाई तो भी बसपा को आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने एक संयुक्त उम्मीदवार पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा का चयन किया। तृणमूल, कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम, नेशनल कांफ्रेंस और द्रमुक का एक संयुक्त मोर्चा इस महीने आम सहमति से राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार चुनने के लिए मिला था।

2002 के गुजरात दंगों पर अमित शाह का इंटरव्यू, बोले-

मोदी भगवान शंकर की तरह 18-19 साल विषपान करते रहे, अब सत्य सोने जैसा चमक रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगे मामले में जाकिया जाफरी की एसआईटी रिपोर्ट के खिलाफ दी गई अर्जी शुक्रवार को खारिज कर दी थी। फैसले के बाद न्यूज एजेंसी एएनआई ने गृहमंत्री अमित शाह से बात की, जिसे शनिवार को रिलीज किया गया। इसमें शाह ने कहा कि कोर्ट के फैसले ने सिद्ध कर दिया कि तब के गुजरात सरकार पर लगाए सभी आरोप पॉलिटिकली मोटिवेटेड थे। जिन लोगों ने भी मोदी जी पर आरोप लगाए थे, उन्हें भाजपा और मोदी जी से माफी मांगनी चाहिए। करीब 40 मिनट के इंटरव्यू में शाह ने कहा कि क्क्रू मोदी ने हमेशा न्यायपालिका में विश्वास रखा है।

सवाल: कोर्ट ने मोदी जी और सभी आरोपियों को क्लीन चिट दे दी है, तो आपको कैसा लग रहा है? आप तब एमएलए थे?

जवाब: सबसे पहले क्लीन चिट की बात करूंगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी आरोपों को खारिज किया है। और आरोप क्यों गढ़े गए इस पर भी सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट ने सिद्ध किया है कि ये आरोप पॉलिटिकली मोटिवेटिड थे। 18- 19 साल की लड़ाई में देश का इतना बड़ा नेता एक शब्द बोले बगैर सभी दुखों को भगवान शंकर के विषपान की तरह गले में उतारकर, सहनकर लड़ता रहा। मैंने मोदी जी को नजदीक से इस दर्द को झेलते हुए देखा है। मजबूत मन का आदमी ही ऐसा स्टैंड ले सकता है।

सवाल: पॉलिटिकल व्यू की वजह से गुजरात दंगों के दौरान पुलिस और ब्यूरोक्रेसी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई?

जवाब: भाजपा की विरोधी राजनीतिक पार्टियां, कुछ आइडियोलॉजी लिए राजनीति में आए हुए पत्रकार और कुछ एनजीओ ने मिलकर इन आरोपों को इतना प्रचारित किया। इनका इकोसिस्टम इतना मजबूत था कि धीरे धीरे झूठ को ही सब सच मानने लगे।

सवाल: उस वक्त तो आपकी सरकार दिल्ली और गुजरात दोनों जगह थी, तो फिर इन लोगों का नेटवर्क इतना मजबूत कैसे था?

जवाब: हमारी सरकार का कभी भी मीडिया के काम में दखल देने का ऐटीट्यूड ही नहीं है। उस वक्त जो इकोसिस्टम बना था, उसने एक झूठ को इतना हौव्वा बनाकर जनता के सामने पेश किया कि सब झूठ को ही सच मानने लगे थे।

सवाल: अगर सरकार सही थी तो एसआईटी की क्या जरूरत थी?

जवाब: एसआईटी का ऑर्डर कोर्ट का नहीं था। एक एनजीओ ने एसआईटी की मांग की थी। हमारी सरकार ने कहा कि हमें एसआईटी से कोई परेशानी

नहीं है। आज जब जजमेंट आया है, तो यह तय हो गया है कि एक पुलिस ऑफिसर, एक एनजीओ और एक पॉलिटिकल पार्टी ने सनसनी के लिए झूठी बातों को फैलाया था। झूठे सबूत गढ़े गए, एसआईटी के सामने झूठे जवाब दिए गए। कोर्ट के फैसले ने यह सिद्ध कर दिया कि दंगा रोकने के लिए सरकार ने भरसक प्रयास किए। सीएम ने भी दंगा रोकने की अपील की थी।

सवाल: लेकिन दंगों के सिर्फ आरोप तो नहीं लगे थे? दंगे भी तो हुए थे...

जवाब: आरोप यह था कि दंगे मोटिवेटेड थे, दंगों में राज्य सरकार का हाथ था। दंगों में सीएम का हाथ होने के भी आरोप लगाए गए। दंगे से कौन इनकार कर रहा है। देश में दंगे कई जगह पर हुए। जहां तक दंगों का सवाल है, कांग्रेस के शासन के किन्हीं 5 सालों और भाजपा के शासन के किन्हीं 5 सालों की तुलना करके देख लीजिए। कितने घंटे कर्फ्यू रहा, कितने लोग मारे गए, कितने दिन बंद रहा और दंगा कितने दिन तक चला इन बातों की तुलना करने पर पता चल जाएगा कि दंगे किसके शासनकाल में अधिक हुए। दंगा होने का मूल कारण गुजरात में एक ट्रेन को जला देना था। 60 लोगों को और 16 दिन की बच्ची को उसकी मां की गोद में बैठे हुए जिंदा जलते हुए मैंने देखा है, मेरे हाथ से मैंने अंतिम संस्कार किया है। इसके कारण दंगे हुए और आगे जो दंगे हुए वो राजनीति से प्रेरित होकर हुए थे। सरकार के खिलाफ किया गया स्टिंग ऑपरेशन भी पॉलिटिकली मोटिवेटेड था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया।

सवाल: 3 दिन तक सेना को बुलाया नहीं गया, अगर आप उस वक्त गृह मंत्री होते तो क्या आप सेना को जल्दी नहीं बुलाते?

जवाब: जिस दिन गुजरात बंद का ऐलान हुआ, उसी दोपहर को हमने सेना को बुला लिया था। सेना को पहुंचने में थोड़ा समय लगता है। जहां तक गुजरात सरकार का सवाल है, एक दिन की भी देरी नहीं हुई थी। इस बात को कोर्ट ने भी माना और एप्रिशिएट किया है।

न्यूज ब्रीफ

मप्रपक्षेविविकं की दूसरी लेब को भी मिला एनएबीएल सर्टिफिकेट

भोपाल। देश की परीक्षण प्रयोगशाला को राष्ट्रीय स्तर की मान्यता देने वाली एकमात्र संस्था नेशनल एक्रेडिएशन बोर्ड फार टेस्टिंग एंड कॉलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) से मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की दूसरी टेस्टिंग लेब को भी मान्यता मिल गई है। मप्रपक्षेविविकं इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि इंदौर पोलोग्राउंड स्थित ट्रांसफार्मर, केबल, कंडक्टर की टेस्टिंग करने वाली लेब को पिछले वर्ष एनएबीएल सर्टिफिकेट मिला था। इसके बाद शुक्रवार को उज्जैन स्थित रीजनल मीटर टेस्टिंग की अत्याधुनिक लेब को भी एनएबीएल सर्टिफिकेट मिला है। श्री तोमर ने बताया कि इंदौर और उज्जैन की दोनों लेब में बिजली के महत्वपूर्ण उपकरणों की अत्याधुनिक तरीके से टेस्टिंग हो रही है। दोनों ही लेब को आत्म-निर्भर भारत अभियान में निर्मित किया गया। श्री तोमर ने बताया कि इंदौर के पोलोग्राउंड स्थित मीटर टेस्टिंग की अत्याधुनिक लेब को भी एनएबीएल दर्जा दिलाने की सभी कार्रवाई पूर्ण कर दी गई है। दो सप्ताह में इंदौर के मीटर टेस्टिंग लेब को भी एनएबीएल मिलने की पूरी संभावना है।

जनजातीय संग्रहालय में 1 जुलाई से प्रवेश और फोटोग्राफी शुल्क में वृद्धि

भोपाल। मध्यप्रदेश की जनजातियों के जीवन, देशज ज्ञान, कला परंपरा और सौन्दर्यबोध पर एकाग्र स्थापित मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में प्रवेश एवं फोटोग्राफी शुल्क में वृद्धि की गई है। शुल्क वृद्धि 1 जुलाई, 2022 से लागू होगी। भारतीय दर्शक (10 वर्ष से अधिक आयु) के लिए 20 रूपये, विदेशी दर्शक (10 वर्ष से अधिक आयु) के लिये 400 रूपये प्रवेश शुल्क होगा। इसी तरह फोटोग्राफी प्रति कैमरा/मोबाइल (अव्यवसायिक बिना स्टैण्ड, ट्रायपॉड, सेल्फीस्टिक) के लिए 100 रुपए शुल्क निश्चित किया गया है। संग्रहालय दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक दर्शकों के लिए खुला रहता है। संग्रहालय की विभिन्न दीर्घाओं में मध्यप्रदेश के जनजातीय समुदायों के आवास के वास्तुगत, शिल्पगत और व्यवहारगत रूप प्रदर्शित हैं। संग्रहालय की 6 अलग-अलग दीर्घाओं में जनजातीय जीवन की झलक, उनके परिवेश, खेल, संस्कृति, देवलोक आदि देखने को मिलते हैं। प्रत्येक दीर्घा में जिज्ञासु और शोधार्थियों के लिए कियोस्क स्थापित किए गए हैं, जिससे हिंदी और अंग्रेजी में विस्तार से जाना-समझा जा सकता है।

लापरवाही पर बड़ा एक्शन, पंचायत सचिव सहित 7 कर्मचारी निलंबित, 16 को नोटिस जारी

भोपाल। एमपी में लापरवाही पर कार्रवाई का सिलसिला जारी है। पंचायत चुनाव में सावधानी पूर्वक कार्य करने के लिए लगातार अधिकारी कर्मचारी को समझाइश दी गई। बावजूद इसके अधिकारी कर्मचारी लापरवाही बरतने से बाज नहीं आ रहे हैं। वहीं लापरवाही बरतना एक शिक्षक को महंगा पड़ गया है। दरअसल आचार संहिता का उल्लंघन करने पर शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक टीकमगढ़ विकासखंड बल्देवगढ़ अंतर्गत पदस्थ किशोर कुमार परमार प्राथमिक शिक्ष,क प्राथमिक स्कूल पटोरी पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में प्राथमिक शिक्षक अपने प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते नजर आ रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद परमार द्वारा निर्वाचन आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर उन्हें मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के उल्लंघन का उत्तरदाई बनाया गया है। इस मामले में जिला निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार द्विवेदी के आदेश पर डीईओ एसी वर्मा ने शिक्षक किशोर सिंह परमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। वहीं एक अन्य कार्रवाई सिवनी जिले में की गई है। जहां जिस तरह पंचायत चुनाव में लगातार हो रही लापरवाही के कारण 2 शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया। वहीं 11 कर्मचारियों को नोटिस थमाया गया है। दरअसल निलंबित किए गए शिक्षकों में उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय बरघाट के प्राथमिक शिक्षक को निलंबित करने के आदेश दिए गए है। दरअसल शिक्षक मतदान सामग्री वितरण स्थल पर नहीं पहुंचे थे। जिसके बाद उन पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 22 जून को एक अन्य शिक्षक द्वारा मतदान दलों के प्रशिक्षण में शराब के नशे में पाए जाने के बाद उन्हें निलंबित किया गया है। वही मतदान सामग्री वितरण केंद्र में नहीं पहुंचने के कारण 11 सेक्टर अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। अधिकारियों के स्पष्ट करना मिलने के बाद उन पर कार्रवाई की जा सकती है।

मप्र पंचायत चुनाव

ग्वालियर-चंबल में गोलियां चलीं, दतिया में बूथ लूटकर मतपेटी में पानी भरा

सतना में प्याऊ गिरने से वोटर की मौत

भोपाल

मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव का पहला चरण ग्वालियर-चंबल में हिंसक हो गया। भिंड जिले में तीन जगह पोलिंग बूथ पर फायरिंग और पथराव हुआ। भिंड के असनेट में पत्थर लगने से स्ट्रु घायल हो गया। दतिया में दबंगों ने मतपेटी लूटकर तोड़ दी और फिर इसमें पानी भर दिया। सतना जिले के मतदान केंद्र किटहा में प्याऊ गिरने से एक वोटर की मौत हो गई। सुबह 7 बजे से 115 जनपदों की 8,702 ग्राम पंचायतों में वोटिंग जारी है। दोपहर 1 बजे तक प्रदेशभर में 49 फीसदी वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा नीमच में 64.10 फीसदी वोटिंग हुई। अभी तक 51 फीसदी महिला, 47 फीसदी पुरुष और 2.80 फीसदी अन्य वोटर्स मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं। वोटिंग दोपहर 3 बजे तक हुई, इसके बाद काउंटिंग की जा रही है। पंच, सरपंच, जनपद और जिला पंचायत

सदस्य चुने जाएंगे। इस तरह हर एक मतदाता को 4 वोट डालने होंगे। पहले चरण में भोपाल, इंदौर समेत कई जिलों में चुनाव हो रहे हैं। चुनाव में पंच से लेकर जिला पंचायत सदस्य बनने के लिए कैंडिडेट किस्मत आजमा रहे हैं। 27 हजार 49 मतदान केंद्रों पर 1 करोड़ 49 लाख वोटर मतदान करेंगे।

भाजपा की डिमांड, वोटर्स को टोकन दिए जाएं:- भाजपा ने 3 बजे से पहले आए वोटर को टोकन देकर पंचायत चुनाव कराने की मांग की। प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त को पत्र लिखकर कहा- हर एक मतदाता को 4 वोट डालना हैं, जिसमें समय लगता है। मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें है। इसलिए मतदान केंद्र में 3 से पहले आ चुके मतदताओं को टोकन देने की व्यवस्था की जाए।

छतरपुर में धूप से बचने के लिए लाइन में रखी चप्पल

चुनाव के दौरान रोचक नजारा देखने को मिल रहा है। छतरपुर जिला मुख्यालय से सटे ग्राम सरानी में धूप और पानी का ख्याल नहीं रखा गया है। वोट डालने आए लोगों ने बताया कि वोटिंग स्थान पर कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। जिसके कारण वोटरों को धूप में परेशान होना पड़ रहा है। धूप से बचने के लिए उन्होंने लाइन में चप्पल रख दी हैं।

1 जुलाई को दूसरा और 8 जुलाई को तीसरा चरण:- पंचायत चुनाव तीन चरण में हो रहे हैं। पहला चरण 25 जून को होगा, जबकि दूसरे चरण के लिए मतदान 1 जुलाई और तीसरे चरण के लिए 8 जुलाई को होगा।

पहले चरण में 27 हजार 49 पोलिंग बूथ:- पहले चरण के लिए 27 हजार 49 बूथ पर मतदान होगा। इनमें 22 हजार 915 सामान्य और 3 हजार 989 संवेदनशील मतदान केंद्र हैं। मतदान केंद्रों पर 52 हजार से अधिक पुलिस

मप्र में 28 जून से झमाझम

इंदौर-भोपाल में छा सकते हैं बादल अब बंगाल से होगी बारिश की शुरुआत

धीरे-धीरे सक्रिय हो रहा मानसून

भोपाल

इंदौर में शुक्रवार को कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई, तो भोपाल में लोगों को उमस ने परेशान किया। अगले तीन दिन तक सिर्फ नर्मदापुरम, जबलपुर और इंदौर में ही कहीं-कहीं गरज-चमक की स्थिति रहेगी। इसके अलावा प्रदेश भर में बारिश की संभावना नहीं है। 26 जून से बंगाल की खाड़ी में सक्रियता बढ़ेगी। जिसके बाद 27 जून से बारिश का दूसरा दौर शुरू होने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश में 28 से 29 जून को मानसून सेट हो सकता है।

उज्जैन में लेट हुआ मानसून:- वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि मानसून समय पर चल रहा है। हालांकि उज्जैन में मानसून लेट है। यह करीब एक सप्ताह पीछे हो गया है। इसके अलावा मध्यप्रदेश में मानसून की स्थिति समय पर है। 3 दिन तक प्रदेश में बादल तो छाएंगे, लेकिन बारिश होने की संभावना कम है।

मध्य-पूर्वी अरब सागर में चक्रवातीय गतिविधियों के साथ, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर भी चक्रवातीय गतिविधियां सक्रिय है। साथ ही, दक्षिणी गुजरात से कर्नाटक तट के समांतर एक ट्रफ बना हुआ है। झारखंड के आसपास भी चक्रवात सक्रिय है, जिससे होकर विदर्भ तक अन्य ट्रफ लाइन जा रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा अभी भी पोरबंदर, बड़ौदा, शिवपुरी, रीवा और चुर्क से गुजर रही है। जून के तीसरे सप्ताह में जोरदार बारिश हुई, लेकिन गर्मी एकबार फिर बढ़ने लगी है। मानसून के दो दिन के ब्रेक के कारण अब प्रदेश में गर्मी और उमस लोगों को परेशान करने लगी है।

वार्ड 77 नवाब कॉलोनी बोहरा समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया

वर्षा ऋतु में सड़क संधारण के लिये अधिकारियों का प्रशिक्षण

भोपाल

लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में भोपाल शहरी क्षेत्र की सड़कों के संधारण के लिये अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण निर्माण भवन में किया गया। मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री संजय मस्के ने बताया कि शहरी सड़कों के वर्षा ऋतु में संधारण के लिये विशेष कार्य-योजना तैयार की गई है। इसमें सभी क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलियों का चिन्हांकन भी किया जा चुका है। श्री मस्के ने कहा कि विभाग के कार्यपालन यंत्री से लेकर उप यंत्रियों तक को सड़क के रख-रखाव की जिम्मेदारी दी गई है। सभी इंजीनियर्स का दायित्व है कि वर्षा ऋतु में यदि सड़क में

गड्ढे होते हैं, तो उसे तत्काल ठीक करवायें। परफार्मेंस गारंटी में जो सड़कें हैं, उन्हें तत्काल रिपेयर करने के लिये संबंधित ठेकेदारों को अपने हॉटमिक्स प्लांट को तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार जिन सड़कों में बड़े गड्ढे हुए एवं जिन्हें लगातार वर्षा के कारण ठीक करना संभव नहीं हो पा रहा हो, उन सड़कों पर बैरीकेट्स या सावधानी बोर्ड तत्काल लगाया जाये, ताकि कोई भी दुर्घटना न हो। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री नरेन्द्र कुमार द्वारा भी वर्षा ऋतु में सड़कों पर तत्काल मरम्मत कार्य किस प्रकार किये जाये, संबंधी आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण के साथ दिशा-निर्देश दिये गये।

डॉ अजय सिंह बने भोपाल एम्स के नये डायरेक्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में नये डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह की नियुक्ति की गई है, हालांकि यह नियुक्ति डेपुटेशन के आधार पर की गई है। डॉ अजय सिंह फिलहाल नोएडा के पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ में डायरेक्टर हैं। केन्द्र सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। फिलहाल सात महीने बाद भोपाल एम्स में डायरेक्टर की नियुक्ति की गई है।

राज्य स्तरीय एमसीएमसी की बैठक हुई

भोपाल

राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य स्तरीय मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) की बैठक हुई। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य स्तरीय एमसीएमसी के अध्यक्ष श्री राकेश सिंह ने बताया कि पेड न्यूज के संबंध में जिला स्तरीय एमसीएमसी द्वारा कार्यवाही की जा रही है। श्री सिंह ने कहा कि राज्य स्तरीय एमसीएमसी के संज्ञान में कोई भी प्रकरण आने पर उस पर त्वरित कार्यवाही की जायेगी। अवर सचिव श्री प्रदीप शुक्ला ने एमसीएमसी के कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी दी। उप सचिव श्री अरूण परमार, एमसीएमसी के सदस्य श्री विजयदत्त श्रीधर, श्री गिरीश उपाध्याय, श्री राजेश जैन और श्री अतुल खरे संयुक्त संचालक जनसंपर्क उपस्थित थे।

शिवराज सरकार की बड़ी तैयारी, होगा बोर्ड का गठन

शासकीय योजनाओं में संशोधन की तैयारी

भोपाल

बीते दिनों लखनऊ में एक तरफ जहां ट्रांसजेंडर पुलिस सहायता केंद्र खोले जाने की खबर सामने आई थी। वही अब मध्य प्रदेश सरकार नई तैयारी में है। दरअसल थर्ड जेंडर व्यक्तियों के हित और अधिकारियों को संरक्षण करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अपने विभिन्न योजनाओं में संशोधन करेगी। इसके लिए योजनाओं की समीक्षा भी की जाएगी। सरकार द्वारा उभयलिंगी व्यक्तियों के (अधिकार का संरक्षण) अधिनियम 2019 के नियम जारी कर दिए गए हैं। जिसमें कई नए प्रावधान किए गए हैं। इसके अलावा राज्य उभयलिंगी कल्याण बोर्ड का भी गठन किया जाएगा। बता दे थर्ड जेंडर व्यक्तियों के हितों का संरक्षण करने और उन्हें बराबर का अधिकार दिलाने की सरकार के 4 साल से योजनाओं की समीक्षा और कार्यशैली तैयार कर रही है। वर्ष 2019 में उनके हितों की रक्षा के लिए अधिनियम तैयार किया गया था।

बैरसिया जनपद पंचायत की वोटिंग

ईंटखेड़ी में हल्दी लगाए दूल्हा पहुंचा वोट डालने, आज है शादी

भोपाल

करीब सात साल के अंतराल के बाद मप्र में पंचायत चुनाव हो रहे हैं। भोपाल के बैरसिया ब्लॉक की 126 ग्राम पंचायतों में 309 मतदान केन्द्रों पर वोट डाले जा रहे हैं। यहां पंच, सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतदान किया जा रहा है। ईंटखेडी ग्राम पंचायत में हल्दी लगाए दूल्हा वोट डालने के लिए पहुंचा। पप्पू सहरिया की कल शादी होनी है। उनकी हल्दी की रस्म हो चुकी है। आज पंचायत चुनाव में पप्पू हल्दी लगाए वोट डालने के लिए पहुंचे। पप्पू ने कहा कि वोट देना सबका अधिकार है। गांव के विकास में भागीदार बनने के लिए मैनें वोट दिया है।

तीन बजे तक मतदान का टाइम:- राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश अनुसार सुबह 7 बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान होगा। लेकिन पोलिंग बूथ पर तीन बजे के पहले जो वोटर पहुंच जाएंगे उन्हें टोकन देकर मतदान कराया जाएगा। मतदान खत्म होने के बाद वोटों की गिनती भी मतदान केन्द्र पर ही की जाएगी। हालांकि चुनाव परिणाम अधिकृत तौर पर 14 जुलाई को जारी किए जाएंगे। बैरसिया ब्लॉक में अब तक चार घंटे में 33 फीसदी मतदान हुआ है। ब्लॉक स्तर पर हर दो घंटे में मतदान की जानकारी अपडेट की जा रही है। सभी पोलिंग बूथों पर शांतिपूर्वक वोटिंग शुरू हुई है। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में चयनित ग्राम पंचायत खजुरिया रामदास में पोलिंग बूथ के नजदीक सौ मीटर के भीतर प्रत्याशी वोट मांग रहे हैं। इसको लेकर दूसरे प्रत्याशियों ने आपत्ति जताई है।

7 जिलों के पानी में खारापन : प्रदेश के 16 जिलों के ग्राउंड वाटर में फ्लोराइड तय लिमिट से ज्यादा मिला

भोपाल

प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों का ग्राउंड वाटर पीने और कृषि के लायक है। इसी के साथ 16 जिले ऐसे भी हैं जहां फ्लोराइड की मात्रा तय पैमाने से अधिक पाई गई है। एक लीटर पानी में फ्लोराइड की मात्रा 1.5 एमजी से अधिक नहीं होना चाहिए। सबसे ज्यादा मात्रा बैतूल जिले के जूनापानी में 4.30 एमजी पाई गई है। यह खुलासा सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की हाल में जारी रिपोर्ट में हुआ है। बोर्ड ने प्रदेश के 1430 साइट्स पर भूजल की गुणवत्ता की जांच की है। इस दौरान यह तथ्य सामने आया कि 92.02 प्रतिशत कुओं में फ्लोराइड की मात्रा उपयोग के मानक पैमने के अंतर्गत है। प्रदेश के 69.9 कुओं के पानी की क्वालटी अच्छी पाई गई है।

फ्लोराइड युक्त पानी को लगातार पीने से होता है फ्लोरोसिस:- फ्लोरोसिस मनुष्य को तब होता है जब वह मानक सीमा से अधिक घुलनशील फ्लोराइड-युक्त पेयजल को लगातार पीता रहता है। अधिक फ्लोराइड गर्दन, दांत, पीठ, कंधे व घुटनों के जोड़ों व हड्डियों को प्रभावित करता है। कैंसर, स्मरण शक्ति कमजोर होना, गुर्दे की बीमारी भी इससे हो सकती है। प्रदेश के 16 जिलों में बोर्ड के कुओं में फ्लोराइड तय मात्रा से अधिक पाया गया है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। फ्लोराइड की मात्रता एक लीटर पानी में 1.5 एमजी से अधिक होना स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

25 फीसदी भूजल में नाइट्रेट ज्यादा

भोपाल भी शामिल स्टडी में यह तथ्य भी सामने आया कि 25.24 कुओं में नाइट्रेट कंस्ट्रेशन इसकी तय लिमिट से ज्यादा पाया गया। इसमें भोपाल भी शामिल है। प्रदेश के 49 जिले ऐसे हैं जहां इसकी मात्रा ज्यादा पाई गई है। सबसे ज्यादा नाइट्रेट कंस्ट्रेशन आगर मालवा के सोयत में पाया गया है।

भोपाल का हार्ड वाटर नहीं

भोपाल का पानी हार्ड नहीं पाया गया है। हार्डनेस की मुख्य वजह केल्शियम और बाईकार्बोनेट, सल्फेट और क्लोराइड होती है। पीने के लिए इसकी लिमिट प्रति लीटर में 600 एमजी तक है। जबकि इसे 200 एमजी को आदर्श माना गया है। मप्र में शैलो ग्राउंड वाटर में हार्डनेस 30 से 1385 एमजी तक पाई गई है। 1385 उज्जैन में पाई गई है।

इनका कहना है

प्रदेश की 1482 वॉटर मॉनिटरिंग डग वेल्स के सेंपल की जांच की गई है। कई जिलों में फ्लोराइड की मात्रा अधिक मिली है। ओवरऑल ग्राउंड वाटर पीने की दृष्टि से ठीक है। कुछ दिन पूर्व ही यह रिपोर्ट आई है।

-राना चटर्जी, रीजनल डायरेक्टर,
सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड

मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश चोरी घटना को अंजाम देने वाला आरोपी गिरफ्तार

दो अलग-अलग प्रकरणों का खुलासा कर चोरी गया मशरूका मोटरसाइकिल को किया गया बरामद

घटना में शामिल अन्य फरार अभियुक्तगण को जल्द किया जाएगा गिरफ्तार

भाटापारा। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा द्वारा आयोजित समीक्षा मीटिंग में संपत्ति संबंधी अपराध जैसे चोरी ,लूट एवं नकबजनी के प्रकरणों में आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देश दिया गया था जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पितांबर पटेल एवम अनुविभागीय पुलिस अधिकारी भाटापारा सिद्धार्थ बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भाटापारा ग्रामीण रोशन राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा, ग्राम मोपका एवं दतरेंगा, मैं घटित मोटरसाइकिल चोरी के प्रकरण मैं जमीनी स्तर पर कार्य कर आसपास व सरहदी जिलों के थानों मैं मोटरसाइकिल चोरी के प्रकरणों में पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्त गणों के संबंध में जानकारी एकत्रित किया जा रहा था इसी दरमियान विश्वस्त सूत्रों के माध्यम से सूचना मिली की शंभू भास्कर पिता रमे भास्कर उम्र 22 वर्ष ग्राम चौकी मारो थाना नाँदघाट जिला बेमेतरा का अपने साथियों के साथ पूर्व में जेल में बंद था उक्त सूचना के आधार पर आरोपी शंभू भास्कर का लगातार रेकी कर पकड़ा गया जिन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उक्त दोनों घटना को अंजाम देना बताया आरोपी को गिरफ्तार कर दोनों मोटरसाइकिल को बरामद किया गया फ़रार अन्य आरोपियों का पता तलाश जारी है

शीघ्र गिरफ्तार किया। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी नीतीश कुमार वर्मा पिता अनिल कुमार वर्मा उम्र 31 वर्ष ग्राम दतरेंगा थाना भाटापारा ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि, दिनांक 11 .10.2021 के मध्य रात्रि कोई अज्ञात आरोपी श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस लिमिटेड द्वारा सीज, मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी-22-एच8185 को इसके घर के पास से कोई अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 524/2021 धारा 379 भादवी कायम कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार दूसरे प्रकरण का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी शशि कुमार जांगड़े पिता दूज राम जांगड़े उम्र 29 वर्ष ग्राम मोपका, थाना भाटापारा ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22.03.2021 के मध्य रात्रि कोई अज्ञात आरोपी इसके मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त-22-ॠ-8416, को कोई अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर अपराध क्र 02/2022 धारा 379 भादवि दिनांक 02.01.2022 को कायम कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी का नाम पता:

शंभू भास्कर पिता रमे भास्कर उम्र 22 वर्ष ग्राम चौकी मारो थाना नाँदघाट जिला बेमेतरा

गिरफ्तारी में प्रधान आरक्षक नवीन कुर्रे , संजय सोनी ,समीर शुक्ला ,आरक्षक रोहित निषाद की भूमिका रही।

नवा रायपुर के सेक्टर 26 में 6 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित है पांच मंजिला भवन

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने राज्य वन विकास निगम के नवनिर्मित आवासीय परिसर का किया लोकार्पण

रायपुर । नवा रायपुर के सेक्टर 26 में 6 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित है पांच मंजिला भवनमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज नवा रायपुर स्थित सेक्टर 26 में छत्तीसगढ़ राज्य वन निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए 5.96 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित पांच मंजिला भवन का वर्चुअल रूप से लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने की।

बदलाव और उत्साह दिखाई देने लगा है। कार्यक्रम को वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सागौन वृक्षारोपण के विरलन से प्राप्त वनोपज का विक्रय वन विकास निगम के आय का मुख्य स्त्रोत है। उन्होंने बताया कि इससे वित्तीय वर्ष 2020-21 में निगम को 57 करोड़ 70 लाख रूपए की आय तथा विभिन्न कार्यो पर 45 करोड़ 31 लाख रूपए के व्यय उपरांत 11 करोड़ 58 लाख रूपए का कर

दिव्यांग बच्चे को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता की हुई सराहना

केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने की शिरकत

रायपुर। केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने की शिरकतनई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित केंद्रीय दिव्यांग सलाहकार बोर्ड की बैठक में छत्तीसगढ़ की समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने शिरकत की। इस मौके पर बोर्ड के सदस्यों द्वारा बोरवेल में गिरे एक दिव्यांग बच्चे के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से की गयी पहल की सराहना की केंद्र सरकार सहयोग देती है तो इसके लिए राज्य शासन निशुल्क भूमि और संसाधन उपलब्ध कराएगी।

बैठक में मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने दिव्यांगजनों से दबाव डाल कर ऋण की राशि वसूलने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कोविड जैसी आपदा में कई दिव्यांगजनों के रोजगार प्रभावित हुए हैं। नेशनल हैंडीकैप्ड फाइनेंशियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन द्वारा राज्य एजेंसियों पर दबाव बनाकर राशि की

स्वास्थ्य विभाग की टीम, एम्बुलेंस और अन्य बुनियादी सुविधायें गांवों तक पहुंची

पहाड़ों की तराई में बसा कुमगांव जुड़ा विकास की मुख्यधारा से

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल के नारायणपुर से घने जंगलों की तरफ बढ़ें, तो 20 किलोमीटर दूर पहाड़ों से घिरा कुमगांव नजर आयेगा। पहाड़ों से घिरे इस गांव में 20-25 परिवारों के 120 लोग रहते हैं। इलाके की प्राकृतिक सुंदरता आपको जैसे बांध ही लेती है, लेकिन यह सुंदरता बाहर से गये लोगों को ही देखने में अच्छी लगती है। पहाड़ों की तराई में बसे इस गांव में रहने वाले लोग कुछ समय पहले तक बहुत कठिन परिस्थितियों में जीवन गुजारते थे। गांव में पहुंचने के लिए मात्र एक पगडंडी थी, जिसमें सायकल और दुपहिया वाहनों से चलना मुश्किल था। पहुंच मार्ग के अभाव में किसी भी गांव व क्षेत्र का विकास की बात करना महज कोरी कल्पना सी है। जिला प्रशासन नारायणपुर द्वारा इस गांव के लोगों की इस दिक्कत को दूर करने और उन्हें आवागमन की अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुमगांव को जोड़ने सड़क बनाने का दुरूह कार्य कर दिखाया। साथ ही इस अनसर्वेड गांव का मसाहती सर्वे भी कराया गया।

अनसर्वेड गांव का मसाहती सर्वे

शासन-प्रशासन के इस प्रयास से अब यहां जरूरी सुविधायें पहुंचने लगी हैं। नक्सल प्रभावित सुदूर वनांचल के निवासी जो वर्षो से शासन की योजनाओं से जुड़ नही पा रहे थे और आवागमन की समस्या से जूझ रहे थे। वहां मसाहती सर्वे पूर्ण होने और सड़क बनने से परिस्थितियां अब पूरी तरह बदल गई हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर नारायणपुर के अबुझमाड़ क्षेत्र के ऐसे गांव जिनका सर्वे नहीं हुआ है, उनका मसाहती सर्वे पूरा कराकर इन गांवों के लोगों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

कुमगांव में अब सड़क है, बिजली है, पीने का साफ पानी है, स्कूल है और स्कूल में शिक्षक हैं। सड़क न बनने से यहां यह सुविधा आसानी से नही मिल पाती थी। कुछ समय पहले तक यह सब बुनियादी सुविधाएं यहां के लोगों के लिए सपना थीं। इस सपने को हकीकत में बदलने का प्रयास किया नारायणपुर के कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी की टीम ने। गांव तक सड़क बन जाने से अब स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ-साथ एम्बुलेंस और अन्य बुनियादी सुविधायें गांवों तक पहुंच रही हैं। प्रशासन के इस कार्य से ग्रामवासी काफी उत्साहित है और शासन-प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है।

कुमगांव की रानो दुग्गा और मंगाया दुग्गा ने बताया कि सदियों से बसे इन गांवों में लगभग 120 लोग रहते हैं। कुछ महीने पहले इस गांव तक पहुंच पाना ही सबसे बड़ी समस्या होती थी। इस गांव तक पहुंचने के लिए एकमात्र साधन पगडंडी थी। इस पगडंडी से लोग लाठी का सहारा लेकर ही यहां से आते जाते थे। हमें पहले शासन की योजना का लाभ नही मिल पाता था, अब हमारे गांव का सर्वे पूर्ण हो गया है ।

रायपुर पुलिस ने नशा मुक्ति के लिए चलाया जन जागरूकता अभियान

रायपुर। वर्तमान परिदृश्य में नशा के मुक्ति अभियान अंतर्गत पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल सर के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) तारकेश्वर पटेल सर के मार्गदर्शन व विधानसभा सीएसपी उदयन बेहार सर के पर्यवेक्षण में थाना खम्हारडीह के व्रास्क कचना में एवं आज दिनांक को शासकीय अभ्यास शाला खम्हारडीह में नशा मुक्ति के लिए जन जागरूकता अभियान (निजात, तुंहर पुलिस तुंहर द्वार, जियो खुलकर, सोशल मीडिया, बैनर,पोस्टर, पाम्पलेट, प्रतियोगिता) का कार्यक्रम संपादित किया।

जिसमे बच्चों के नशा से दूर रहने, परिवार में सदस्यों को नशा से दूर रहने, उससे होने वाली सामाजिक, मानसिक, आर्थिक हानि, अपराधों के संबंध में जानकारी देकर और विशेषकर बच्चों को मोबाईल के गलत प्रभाव,मोबाईल गेम के दुष्प्रभाव उससे होने वाली भविष्य में शारिरीक, मानसिक, बौद्धिक दुष्प्रभाव से अवगत कराकर जागरूकता लाने प्रयास कर नशा मुक्त समाज के लिए संकल्पित कर, नशा से दूर रहने अपील किया गया साथ अन्य कानून संबंधी जानकारी प्रदाय कर स्वस्थ शांतिपूर्ण समाज बनाने स्वयं का भविष्य निर्माण हेतु प्रेरित किया गया.

पांच सहकारी समितियों का पंजीयन होगा निरस्त

अम्बिकापुर जिले में जैविक खेती में किसानों की प्राथमिकता बनी वर्मी खाद

अम्बिकापुर । जिले के पांच सहकारी समितियों का पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं अम्बिकापुर द्वारा किया जा रहा है। उप पंजीयक ने बताया है कि खनिज सहकारी समिति मर्यादित फतेहपुर का पंजीयन क्रमांक 2892 एवं 1893, अम्बिका खनिज सहकारी समिति मर्यादित फतेहपुर का पंजीयन क्रमांक 2010 प्राथमिक श्रम ठेका सहकारी समिति मर्यादित चठिरमा पंजीयन क्रमांक 1851 एवं प्राथमिक लेबर सहकारी समिति मर्यादित चठिरमा पंजीयन क्रमांक 2115 का पंजीयन निरस्त होगा। उन्होंने बताया कि पांचां सहकारी समितियों को पंजीयन निरस्त करने संबंधी वैधानिक सूचना जारी कर दी गई है। उन्होंने उपरोक्त सहकारी समितियों के सदस्यों लेनदारों व देनदारों को लेन-देन के संबंध में विवरण प्रस्तुत करने कहा है।

अम्बिकापुर । जिले के किसानों का रुझान जैविक खेती की ओर बढ़ा है और खेती के लिए वर्मी खाद के उपयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं। गोठानों में उत्तम गुणवत्ता के वर्मी खाद का निर्माण हो रहा है जिसे किसान सहकारी समितियों से जरूरत के अनुसार खरीद रहे हैं। इसके साथ ही जिले में रासायनिक खाद की भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है।

उप संचालक कृषि श्री एम.आर. भगत ने बताया है कि वर्तमान में सहकारिता व निजी खाद व्यवसायियों के पास पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध है। जिले में 39 सहकारी सेवा समितियों व 268 निजी खाद व्यापारियों के माध्यम से किसानों को उनके मांग के अनुसार खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बढ़ाने व जैविक खाद का उपयोग कर रासायनिक उर्वरक पर निर्भरता कम करने वर्मी खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्मी खाद की गुणवत्ता परीक्षण उपरांत सहकारी समितियों के माध्यम से निर्धारित दर पर किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम ब्याज मुक्त ऋण पर उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले में कुल 7763 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक भंडारित है जिसमें सहकारिता के 4987 मीट्रिक टन एवं निजी विक्रेताओं के 2776 मीट्रिक टन शामिल है।

केन्द्रीय जेल में हुआ विधिक सेवा शिविर का आयोजन

अम्बिकापुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के अध्यक्ष श्री राकेश बिहारी घोरे के मार्गदर्शन में केन्द्रीय जेल में सेवा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विगत 23 जून 2022 को आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने श्री अमित जिंदल ने बताया है कि प्ली बारगेनिंग के अनुसार सात साल के दण्ड तक के मामले में उस दशा को छोड़कर जहां अपराध देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है या स्त्री या 14 साल के बालक के विरूद्ध किया गया हो को छोड़कर अभियुक्त के स्वेच्छा से आवेदन पेश करने पर प्रकरण में निपटारा होता है।

श्री अमित जिन्दल ने बताया कि नालसा के गिरफ्तारी पूर्व गिरफ्तारी एवं रिमाण्ड

योजना के अनुसार उच्चतम न्यायालय के निर्णय शीला बारसे बनाम महाराष्ट्र राज्य ए.आई.आर. 1983 एस.सी 378 दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41-च के अनुसार पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति को उसके विधिक सहायता प्राप्त करने के अधिकार को बताने के लिए बाध्य है। अनेक बार गिरफ्तार व्यक्ति दूसरे जिले का निवासी हो सकता है ऐसे में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय मोतीराम बनाम मध्य प्रदेश राज्य ए.आई.आर 1978 एस.सी. 1594 के अनुसार ऐसी दशा में उसके अधिवक्ता द्वारा न्यायालय से बाहर के जमात स्वीकार करने का और उसकी समझी जा सकने वाली भाषा में अनुवाद का निवेदन किया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22, उच्चतम न्यायालय के निर्णय डी के बासू बनाम पश्चिम बंगाल राज्य, ए.आई.आर.1998 एस.सी. 610. अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य एआईआर 2014 एस.सी. 2756, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 60, 50-क, धारा 53, 54, 57, 167, आदि के बारे में भी बताया गया।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

संपादकीय

महंगाई पर काबू पाने की रणनीति

एक बार फिर रिजर्व बैंक ने महंगाई को लेकर आगाह किया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा है कि आर्थिक सुधारों की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं, मगर अब भी जिस तरह मुद्रास्फीति की दर ऊंची बनी हुई है, वह सबसे बड़ी चिंता का कारण है। इसी महीने रिजर्व बैंक ने अपनी नीतिगत दरों में बदलाव कर रेपो दर में पचास आधार अंक की बढ़ोतरी की थी। इसके पीछे की रणनीति महंगाई पर काबू पाना था। उसके कुछ दिनों पहले भी चालीस आधार अंक की बढ़ोतरी की गई थी।

मगर अब भी इन कदमों का कोई उत्साहजनक परिणाम नजर नहीं आ रहा। खुदरा महंगाई की दर में जरूर मामूली कमी दर्ज हुई है, मगर थोक महंगाई दर का रुख अब भी ऊपर की तरफ बना हुआ है। इसके अलावा डालर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार घट रही है। अभी वह अठहत्तर रुपए चालीस पैसे पर पहुंच गया है। जब रुपए की कीमत घटती है, तो महंगाई पर काबू पाना और मुश्किल हो जाता है। चूंकि बाहर से मंगाई जाने वाली वस्तुओं की कीमत डालर में चुकानी पड़ती है और फिर उन्हें यहां रुपए के भाव बेचना पड़ता है, इसलिए भी महंगाई बढ़ती है। ईंधन तेल के मामले में यह स्थिति इसीलिए काबू से बाहर होती जा रही है।

थोक महंगाई बढ़ने का सीधा अर्थ है कि बाजार में खपत कम हो रही है, मांग घट रही है। इससे बड़े उद्योगों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। पिछले कई सालों से आर्थिक विकास की दर का पैमाना काफी हद तक भारी उद्योगों के उत्पादन के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा है। उसमें कृषि आदि बड़े क्षेत्रों के योगदान को ज्यादा अहमियत नहीं दी

जाती रही है। हालांकि कोरोना काल में जब सारे उद्योग-धंधे ठप पड़े हुए थे, तब कृषि क्षेत्र ने ही अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद की थी।

मगर कृषि उत्पाद के भंडारण, बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करने, लागत के अनुरूप उनकी कीमत तय करने आदि को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जाती। यही वजह है कि खुदरा महंगाई की दर पर काबू पाने में भी कठिनाई बनी रहती है। अभी अर्थव्यवस्था की स्थिति इसलिए कमजोर बनी हुई है कि बहुत सारे लोगों के रोजगार छिन गए हैं, लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। क्रयशक्ति काफी घट गई है। ऐसे में बाजार में पूंजी का प्रवाह बढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण काम है। निवेश के स्तर पर भी अपेक्षित गति नहीं आ पा रही। कई विदेशी कंपनियां अपना कारोबार समेट कर वापस लौट चुकी हैं। यहां के अनेक कारोबारियों ने अपने काम-धंधे दूसरे देशों में स्थानांतरित कर लिए हैं। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार खाली हो रहा है। सरकारी खर्च में कोई कटौती नहीं हो रही। ऐसी स्थिति किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी नहीं मानी जाती।

निर्यात के मामले में पहले ही स्थिति संतोषजनक नहीं थी, आयात पर निर्भरता कम नहीं हो पा रही। खाद्य तेलों आदि के आयात पर सरकार को शुल्क घटाने पड़े हैं। अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है कि घरेलू और विदेशी बाजार में विस्तार हो। इससे उद्योगों के उत्पादन को बल मिलता और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। लोगों के पास रोजगार होता है तो उनके खर्च करने की क्षमता भी बढ़ती है। इन तमाम मोर्चों पर अभी अपेक्षित सुधार नजर नहीं आ रहा। इसलिए रिजर्व बैंक की चिंता स्वाभाविक है।

सोशल मीडिया से...

पिछले कुछ दिनों से असम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। केंद्र सरकार असम में स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है और इस चुनौती से निपटने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जो किसी ने नहीं सोचा था वो बीजेपी ने किया है। एक अनुसूचित समाज की बहन देश के सर्वोच्च पद पर बैठेगी, देश की तीनों सेनाओं की मुखिया होगी। आज राष्ट्रपति बन रही हैं फिर भी द्रौपदी बहन मंदिर में झाड़ू लगा रही हैं।

शिवराज सिंह चौहान, सीएम मप्र

हम विधानसभा चुनाव के लिए बिल्कुल तैयार हैं। हम हिमाचल प्रदेश में 4.5 साल से सेवा के भाव से काम करते रहे हैं। हमने हर क्षेत्र का विकास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल के साथ जुड़े हुए हैं, उनका हिमाचल के विकास में बहुत योगदान रहा है।

जयराम ठाकुर, सीएम हिप्र

असम में कई अच्छे होटल हैं, वहां कोई भी आकर ठहर सकता है...इसमें कोई दिक्कत नहीं है। मुझे नहीं पता कि महाराष्ट्र के विधायक असम में रह रहे हैं या नहीं। अन्य राज्यों के विधायक भी असम में आ सकते हैं और रह सकते हैं।

हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम असम

आज का कार्टून

मानव अधिकार बनाम जेल सुधार

जेल सुधार और मानव अधिकार एक-दूसरे के समानार्थी हैं। यों तो वर्ष 1835 में ही लार्ड मैकाले ने जेल सुधार की बात की थी। उसके बाद विभिन्न चरणों में जेल सुधार समितियां बनीं और क्रमश- यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई कि जेल में एक न्यूनतम जगह, बेहतर खानपान, कैदियों द्वारा की जाने वाली दैनिक मजदूरी की दशाएं, कार्य के घंटे आदि निश्चित किए जाएं। किन्तु परिस्थितियों में संतोषजनक सुधार न होने पर पुन- वर्ष 1919 में यह कहा गया कि जेल प्रशासन का दायित्व है कि वह अपराधों की रोकथाम करे और कैदियों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गठित मुल्ला समिति, कृष्णा अय्यर समिति और ब्यूरो आफ पुलिस रिकार्ड द्वारा रचित आदर्श जेल मैनुअल में कैदियों की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, महिला कैदियों की दशाओं में सुधार जैसे मुद्दे उठाये गए। न्यायपालिका ने भी विभिन्न निर्णयों के माध्यम से कैदियों की समस्याओं की पहचान कर उसे दूर करने की वकालत की है।

बिभा त्रिपाठी

वास्तव में हमारे समाज में सुधारवादी नीतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का अभाव दिखाई देता है और वह अपराधियों के प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाता है। ऐसे में अपराध पीड़ितों के साथ न्याय, उनकी क्षतिपूर्ति, उनकी पुनर्स्थापना भी आवश्यक है, ताकि सरकार, समाज, प्रशासन, अपराधी और पीड़ित सभी मिल कर एक नए और स्वस्थ समाज का सृजन कर सकें।

मानव अधिकारों और जेल सुधारों की कागजी यात्रा का इतिहास काफी पुराना है। अगर जेल विशेष के संदर्भ में कैदियों के मानव अधिकारों की बात की जाए तो वहां भी कई प्रकार के स्तरीकरण दिखाई देते हैं जो उम्र, जाति, लिंग, धर्म, आर्थिक स्थिति और अपराधों की प्रकृति के आधार पर गहराई से समझे जा सकते हैं। कैदियों के अधिकारों के लिए चलाए गए आंदोलनों को सिविल अधिकारों और महिला अधिकारों के लिए चले आंदोलनों की भांति एक सामाजिक राजनीतिक आंदोलन की संज्ञा दी जाती है, क्योंकि 1960 के दशक के पूर्व वैश्विक स्तर पर कैदियों को महज राज्य का गुलाम समझा जाता था। तब न्यायपालिका जेल प्रशासन और अनुशासन के नाम पर हाथ खड़े कर देने के सिद्धांत का अनुसरण करती थी।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि कैदियों के मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न, अस्वास्थ्यकर जीवन की दशाएं, बेगारी, सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं, खराब और अपर्याप्त भोजन, बाहरी दुनिया से संवाद करने पर मनमाने अंकुश आदि पर कोई नियंत्रण लग पाया है? क्या अनुशासन के नाम पर प्रताड़ना में कमी आई है, और एक कैदी को मानव अधिकारों से युक्त वयक्ति समझा जा रहा है या नहीं?

इन प्रश्नों के उत्तर इसलिए भी आवश्यक हैं कि इसी आधार पर हम यह जान पाएंगे कि हम एक सभ्य समाज बन पाए हैं या नहीं। हमने दंड के उद्देश्य पर विचार किया है या नहीं। हमने गांधी के उस वक्तव्य का मर्म जाना है कि नहीं कि पाप से घृणा करो पापी से नहीं। और आगे यह कि जहां हर संत का एक इतिहास रहा है, हर अपराधी का एक भविष्य भी है।

जेल सुधार और मानव अधिकार एक-दूसरे के समानार्थी हैं। यों तो वर्ष 1835 में ही लार्ड मैकाले ने जेल सुधार की बात की थी। उसके बाद विभिन्न चरणों में जेल सुधार समितियां बनीं और क्रमशः यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई कि जेल में एक न्यूनतम जगह, बेहतर खानपान, कैदियों द्वारा की जाने वाली दैनिक मजदूरी की दशाएं, कार्य के घंटे आदि निश्चित किए जाएं। किन्तु परिस्थितियों में संतोषजनक सुधार न होने पर पुनः वर्ष 1919 में यह कहा गया कि जेल प्रशासन का दायित्व है कि वह अपराधों की रोकथाम करे और कैदियों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करे।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गठित मुल्ला समिति, कृष्णा अय्यर समिति और ब्यूरो आफ पुलिस रिकार्ड द्वारा रचित आदर्श जेल मैनुअल में कैदियों की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, महिला कैदियों की दशाओं में सुधार जैसे मुद्दे उठाये गए। न्यायपालिका ने भी विभिन्न निर्णयों के माध्यम से कैदियों की समस्याओं की पहचान कर उसे दूर करने की वकालत की है।

सुनील बात्रा के मामले में कहा गया कि जेल सुधार ऐसा होना चाहिए जो कैदियों दण्डात्मक निरोध को उद्देश्यपरक उपचार प्रदान कर उन्हें समाज में समायोजित करने में मददगार साबित हो। कैदियों को अनावश्यक ढंग से लोहे की जंजीरों में न बांधा जाय और उनको एकांत कारावास में भी न रखा जाए। जेल मे रहने का यह अर्थ कदापि नहीं है कि उसके अन्य मौलिक अधिकारों का दमन कर दिया जाए। एक कैदी को मुफ्त विधिक सहायता, मानवीय गरिमा, सुनवाई का अवसर, बाहरी दुनिया से संवाद, बोलने की स्वतंत्रता, निजता के अधिकार और अपने धर्म के अनुरूप आचरण का अधिकार उसे कारागार के भीतर भी उपलब्ध होता है।

कहना न होगा कि ब्रितानी हुकूमत के अत्याचार तो हम नहीं सुनते, पर सुनना यह भी नहीं है कि मंजुला शेट्टी नामक आजीवन कारावास की सजा भुगत रही महिला को उस बैरेक की छह महिला अधिकारियों द्वारा इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गई। और ऐसे बच्चों के मानव अधिकारों पर गंभीर विमर्श आवश्यक है, जो छह वर्ष की उम्र तक अपनी माताओं के साथ जेल में रहते हैं। यह उन नादान बच्चों के भविष्य के साथ कितना क्रूर मजाक बन सकता है, इसकी कल्पना से ही रूह कांप उठती है।

हमें यह याद रखना होगा कि एक उदारवादी लोकतंत्र में हम जेल में इसलिए नहीं भेजे जाते कि हमारे साथ हिंसक और बर्बर कृत्य किए जाएं, बल्कि इसलिए भेजे जाते हैं कि हम अपनी गलती का पश्चाताप करें, आत्मावलोकन करें और वापस समाज में लौटें तो एक विधि पालक नागरिक की भांति जीवन बिता सकें।

मगर इस सबके साथ सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राममूर्ति बनाम कर्नाटक राज्य के मामले में दिए गए निर्णय का उल्लेख भी जरूरी है, क्योंकि इस वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने न सिर्फ कैदियों के विभिन्न अधिकारों की बात की थी, बल्कि उनके कर्तव्यों को भी गिनाया था। जैसे यह प्रत्येक कैदी का एक कर्तव्य है कि वह विधि समस्त आदेशों का अनुपालन करें और जेल में बनाए गए अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार अपना व्यवहार करें।

जेल के अंदर साफ-सफाई को बनाए रखने में अपना योगदान दें और अपने साथ रहने वाले अन्य कैदियों की गरिमा और उनके जीवन के अधिकार को भी महत्त्व और मान्यता प्रदान करें। किसी की भी धार्मिक भावनाओं, मूल्यों और विश्वासों पर कुठाराघात न करें। और जहां तक संभव हो, जेल अधीक्षक के कार्य में सहयोग प्रदान करें।

यहीं पर भूटान मोहन पटनायक बनाम आंध्र प्रदेश राज्य के निर्णय का भी उल्लेख करना अपेक्षित है, क्योंकि इस निर्णय में न्यायालय ने कहा था कि कोई कैदी इस बात की शिकायत नहीं कर सकता कि जेल की दीवारों पर विद्युत तार क्यों लगाए गए हैं, क्योंकि जेल से भागना किसी कैदी का कोई मौलिक अधिकार नहीं है।

कहने का अर्थ है कि किसी भी विषय की सफलता तभी सुनिश्चित की जा सकती है, जब उस विषय की एकांगी व्याख्या न कर उसके सभी पक्षों का तटस्थ मूल्यांकन किया जाए। जेल प्रशासन भी ऐसा ही एक विषय है। यहां जेल अधीक्षक के ऊपर कैदियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का ऐसा भीषण दबाव होता है कि वह कठोर से कठोर हथकंडे अपनाने के लिए मजबूर हो जाता है। ऐसे में सर्वाधिक आवश्यकता इस बात की है कि जो व्यक्ति सिद्ध दोष घोषित हुआ है, उसे भी अपने दंड के प्रति स्वीकार्यता दिखानी चाहिए, क्योंकि जब तक गलती की अनुभूति नहीं होगी, सुधार की संभावना सदैव क्षीण ही रहेगी।

इसके साथ अन्य महत्त्वपूर्ण मुद्दा है जेल प्रशासन के लिए नियत बजट में बढ़ोतरी किए जाने का। जब तक बजट के प्रतिशत में वृद्धि नहीं की जाएगी, मानवीय सुविधा भी सही ढंग से उपलब्ध नहीं होगी। कैदियों की दिहाड़ी मजदूरी बढ़ाने की सिफारिश भी कई समितियों द्वारा की गई है। इन सिफारिशों को अमली जामा पहनाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही कैदियों के अनुपात में जेल और जेल कर्मियों की संख्या भी बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रत्येक जेल में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरीखी सुविधा और व्यावसायिक प्रशिक्षण, दूरवर्ती शिक्षा और परीक्षा के समस्त विकल्पों पर कार्य करने की आवश्यकता है। हाल ही में घोषित बोर्ड परीक्षा के नतीजों में जेल से परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की अच्छी-खासी संख्या यह बताती है कि एक अपराध के बाद भी वयक्ति का भविष्य बचा रहता है और भविष्य में अपराधों की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए भी उन्हें शिक्षित-प्रशिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है।

वास्तव में हमारे समाज में सुधारवादी नीतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का अभाव दिखाई देता है और वह अपराधियों के प्रति प्रतिशोधात्मक रवैया अपनाता है। ऐसे में अपराध पीड़ितों के साथ न्याय उनकी क्षतिपूर्ति, उनकी पुनर्स्थापना भी आवश्यक है, ताकि सरकार, समाज, प्रशासन, अपराधी और पीड़ित सभी मिल कर एक नए और स्वस्थ समाज का सृजन कर सकें।

धरती कहे पुकार के...

हमारे ज्ञान-ग्रंथों में जो कुछ सीखने के लिए है, अगर उसे अमल में लाया जाए तो जिंदगी धरती की तरह विनम्र, धैर्यवान, ममता से युक्त, परहितकारी और हमेशा जीती-जागती बन जाएगी। लेकिन, हम धरती से सीखना ही नहीं चाहते। न तो हवा, पानी, पेड़, वक्त या चिड़ियों से। शायद सीखने की हमारी अच्छी आदत सोशल मीडिया के चकाचैध में कहीं गुम हो गई है। हम धरती से पाना तो बहुत चाहते हैं, लेकिन लौटाना बिल्कुल नहीं। बिडंबना यह कि हमारे अंदर शिकायतों की इतनी लंबी सूची तैयार हो गई है कि उनका समाधान शायद कोई कर पाए।

शकुंतला देवी

एक बड़े बुजुर्ग से एक किशोर इसलिए नाराज होकर उन्हें उल्टी-सीधी बातें बोलने लगा था, क्योंकि वे उससे पांचवीं की पुस्तक में लिखे 'धरती मां' निबंध के बारे में सवाल पूछ बैठे थे। किशोर का कहना था, उससे किताब में लिखी बातों पर बेमतलब क्यों बात की जा रही है। आज सोशल मीडिया का जमाना है। उसके लिए खास धरती मां नहीं, बल्कि वह 'गेम' है, जिससे वह रोज खूब मजे लेता है।

यों तो यह कहना बहुत मुश्किल है कि दुनिया में सबसे खास कौन-सी चीज, विषय या कार्य है, लेकिन इतना तो कह ही सकते हैं कि जिससे सबको पोषण और संरक्षण मिलता है, वह धरती मां सबसे खास है। यह बात दीगर है कि बदले वक्त में हम धरती को कितना खास तवज्जो देते हैं। जिस धरती को भारतीय ऋषि-मुनि 'मां' कह कर इज्जत देते थे और उसके संरक्षण के लिए अपना फर्ज पूरा करने की बात करते थे, उस धरती के प्रति हमारा नजरिया ऐसा बदल गया कि यह एक मामूली चीज जैसी भी नहीं? शायद यही वजह है कि धरती पर सब कुछ धीरे-धीरे बदल रहा है। साफ हवा को तवज्जो देना बंद किया, जिससे पर्यावरण का सत्यानाश हो गया। साफ पानी को तवज्जो देना छोड़ दिया, साफ पानी पीने के लाले पड़ गए। धरती की उर्वराशक्ति का संरक्षण करना छोड़ दिया, धरती बंजर हो गई। पेड़ कटाई ऐसी की कि जंगल के जंगल खत्म हो गए और ऋतु-चक्र असंतुलित हो गया। जीव-जंतुओं के प्रति दया, क्षमा और करुणा निभाने बंद किए, जीव-जंतु खत्म होने के कगार पर आ गए। नदी, समुद्र और तालाब की सुरक्षा करना छोड़ दिया, तो वे प्रदूषित और गंदे हो गए।

बेहतरी के लिए अच्छे विचारों को फैलाना छोड़ दिया, समाज में बुरे विचारों की भरमार हो गई। इसलिए ऋग्वेद के ऋषि हमें हजारों साल पहले सचेत कर गए थे- 'वनस्पते जीवानां लोक मुन्नय'। यह धरती हमारी मां है। इस पर जितने भी जड़-चेतन, जीव-जंतु और वनस्पतियां हैं, सभी का संरक्षण करना धरती पर रहने वाले हर इंसान का फर्ज है।

कहते हैं, किताबों में लिखी विद्या और पराए हाथ में गया धन वक्त पर काम नहीं आते। बचपन में हम सबने किताबों में पढ़ा था कि धरती पर जो जितना अच्छा करता है, धरती उसी तरह उसे वापस देती है। कवि सुमित्रानंदन पंत ने इसी भावना से बचपन में कुछ पैसे बोए थे और उम्मीद लगा बैठे थे कि उनके बोए पैसे अंकुरित होंगे और बड़े होकर जितना बोए हैं, उससे बहुत ज्यादा पैसे फलेंगे। काफी दिनों के बाद जब उनके बोए पैसे न अंकुरित हुए, तो उन्हें बहुत निराशा हुई। तब बाल मन को समझ में आया कि धरती सोना, चांदी, रत्न, अन्न, फूल-फल, औषधि-वनस्पतियां तो खूब दे सकती है, लेकिन इंसान द्वारा बनाए गए कृत्रिम पैसों को अंकुरित करने की उसकी सामर्थ्य नहीं। यानी धरती को कृत्रिमता स्वीकार नहीं।

हमने किताबों में पढ़ कर फूलों की तरह न मुसकाना सीखा, न घास की हरियाली में हरे-भरे रहना और न तो चिड़ियों की तरह मस्त रहना और प्रकृति के साथ मौज-मस्ती करना। हां, दूसरों को जबरन सीख देने के लिए सलाहकार बन संस्थान जरूर खोल लिए। धरती पर बाल कविता लिख कर पंत, नेपाली और हरिऔध ने हमें धरती के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी तो, फिल्मों से हमने धरती की खूबियों के गाने सुने। लेकिन उनसे कुछ सीखा क्या? क्या धरती के प्रति हमारे नजरिए में कोई सद्भावना, कृतज्ञता या विन्रमता का भाव उपजा? शायद उसी वजह से एक कहावत चल निकली- सीख उसे ही दीजिए, जिसे सीख सुहाय। कहने का मतलब कि हमने अब धरती से सीखना बंद कर दिया है।

हमारे ज्ञान-ग्रंथों में जो कुछ सीखने के लिए है, अगर उसे अमल में लाया जाए तो जिंदगी धरती की तरह विनम्र, धैर्यवान, ममता से युक्त, परहितकारी और हमेशा जीती-जागती बन जाएगी। लेकिन, हम धरती से सीखना ही नहीं चाहते। न तो हवा, पानी, पेड़, वक्त या चिड़ियों से। शायद सीखने की हमारी अच्छी आदत सोशल मीडिया के चकाचैध में कहीं गुम हो गई है। हम धरती से पाना तो बहुत चाहते हैं, लेकिन लौटाना बिल्कुल नहीं। बिडंबना यह कि हमारे अंदर शिकायतों की इतनी लंबी सूची तैयार हो गई है कि उनका समाधान शायद कोई कर पाए।

याद हैं कालिदास की शकुंतला के वे उद्गार, जो उन्होंने अपने बगीचे के पौधों में पानी देते हुए कहा था- मेरा फूलों से, हवा से, जल से और यहां की मिट्टी से मेरे बचपन का संबंध है। मैंने इनसे बहुत कुछ सीखा है। क्योंकि इनके साथ ही वे खेल-कूद कर इतनी बड़ी हुई हैं। हम सबकी जिंदगी भी धरती मां के आंचल में ही पली-पढ़ी। लेकिन मां की ममता, उसकी हिफाजत का ढंग और उसका आह्लादित कर देने वाला वात्सल्य हम विकास के हिचकोलों में भूल गए। धरती मां आज भी पुकार रही है, कभी कान लगा कर सुनो-सीखो।

विश्व बाजार में रोजगार की राह एमआईबी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रोजगार से सीधे-सीधे रिश्ता जोड़ने में जिन कोर्सों ने अपनी पहचान कायम की है, उनमें मास्टर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस एक है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में चल रहा एमआईबी कोर्स छात्रों को विश्व बाजार में पैठ दिला रहा है। उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था में कॉरपोरेट जगत से रिश्ते बनाने का हुनर सिखा रहा है। इस तरह के कोर्स से छात्रों को सिर्फ ग्लोबल बिजनेस की गति को पहचानने की क्षमता ही प्रदान नहीं की जाती, बल्कि उनकी समझ, विश्लेषण व कम्युनिकेशन स्किल को भी उभारा जाता है। इसके लिए लेक्चर, टयूटोरियल, केस स्टडीज, सेमिनार, बिजनेस गेम्स व अन्य आधुनिक तरीकों का सहारा लिया जाता है। ऐसे कोर्स में दाखिले का मौका फिर से आ गया है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के कैम्पस स्थित कॉमर्स विभाग में इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है।

दाखिला वाया कैट

इस कोर्स में दाखिला पिछले साल तक एक कॉमन एडमिशन टैस्ट के आधार पर लिया जाता था, लेकिन इस बार विभाग ने अलग से प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का सिलसिला खत्म कर दिया है। दाखिले की नई पद्धति के तहत इस कोर्स में दाखिला कैट की मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा। कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन के बाद छात्रों को आईआईएम द्वारा आयोजित कैट स्कोर को जमा करना होगा। इसके आधार पर शॉर्ट लिस्टिंग करके छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा के लिए बुलाया जाएगा। छात्रों को समूह में किसी टॉपिक पर निर्णय लेने की क्षमता, भाषा पर पकड़ व नेतृत्व क्षमता और संबंधित विषय पर ज्ञान आदि की परख की जाती है। व्यक्तिगत साक्षात्कार में आत्मविश्वास, व्यावसायिक लक्ष्य की स्पष्टता व काम के अनुभव आदि की परख की जाती है। दाखिले की अंतिम लिस्ट कैट स्कोर, जीडी और इंटरव्यू के आधार पर बनेगी। ओबीसी के छात्रों को सामान्य वर्ग के लिए निर्धारित फाइनल कट ऑफ में दस फीसदी अधिकतम छूट दी जाएगी। ग्रुप डिस्कशन में कॉरपोरेट जगत के विशेषज्ञ पैनल में शामिल होते हैं।

कोर्स का प्रोफाइल

दो साल के इस कोर्स में चार सेमेस्टर में छात्रों को बिजनेस मार्केटिंग स्किल, वैश्विक बिजनेस के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक पहलू व अन्य कारकों के बारे में बताया जाता है। विश्व बाजार में चल रही प्रतिस्पर्धा, उससे निपटने की रणनीति, मानव संसाधन के बेहतर उपयोग व उसके लिए नवीनतम ज्ञान व तकनीक के इस्तेमाल की जानकारी दी जाती है। एक कुशल प्रबंधक के लिए क्या-क्या जरूरी है, बिजनेस लीडर बनने के लिए किन-किन गुणों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, इसकी जानकारी दी जाती है। सिर्फ थ्योरी स्तर पर ही नहीं, इसके लिए उन्हें केस स्टडीज, सेमिनार, पेपर प्रेजेन्टेशन, कार्यशाला व बिजनेस क्विज का भी काम करना होता है। समूह के बीच काम करने व कंपनी के सामने बाजार की विभिन्न चुनौतियों से निपटने के तत्त्वों को बताया जाता है। निर्णय लेने की क्षमता की परख की जाती है और उसके लिए आवश्यक हुनर से भी लैस किया जाता है। यही नहीं, कोर्स के तहत बेहतर शिक्षण व प्रशिक्षण मिले, इसके लिए छात्र-शिक्षक का अनुपात 13:1 रखा गया है। केस स्टडीज के तहत प्रतिभागी को एक मैनेजर के रूप में काम करना होता है। वह अपने आइडिया व समस्याएं व समकालीन इश्यू को भी सामने रखता है। बाजार के बदलते रुख के हिसाब से कोर्स में समय-समय पर संशोधन भी किया जाता रहा है।

एमआईबी के छात्र रूपेश गांगुली इसे रोजगार के लिहाज से मैनेजमेंट प्रोग्राम सरीखा मानते हैं। गांगुली ने बताया कि रामजस कॉलेज से बीएससी करने के बाद जेएनयू एमएससी इंफॉर्मेटिक्स साइंस में दाखिला लिया। वहां से कोर्स करने के बाद रोजगार को ध्यान में रखते हुए इसकी तैयारी की और प्रवेश परीक्षा में सफल हुआ। यह कोर्स सभी विषय के छात्रों को अवसर दिलाने में कामयाब है। यह अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम वाले छात्रों के सपने को भी साकार कराता है। इसकी फीस भी मैनेजमेंट प्रोग्राम से काफी कम है। फीस के लिए बैंक लोन भी मुहैया कराते हैं।

कौन पा सकता है दाखिला

इसमें दाखिले के लिए स्नातक डिग्री 50 फीसदी के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। ऐसे छात्र भी शामिल हो सकते हैं, जो स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा देने वाले हैं। उन्हें कोर्स में दाखिले के लिए 31 अगस्त 2011 तक स्नातक अंतिम वर्ष का रिजल्ट विभाग में जमा कराना होगा। आरक्षित उम्मीदवारों के लिए स्नातक में पांच फीसदी की छूट होती है।

प्लेसमेंट

छात्रों के लिए अक्तूबर के मध्य में बड़ी-बडी कंपनियों के साथ एक प्लेसमेंट का कार्य भी आयोजित किया जाता है। इनमें फिलिप्स, एसी नेल्सन, एचएसबीसी, स्टान चार्ट आदि कंपनियां रही हैं। प्लेसमेंट के लिए एलुमनाई की भी विशेष भागीदारी होती है।

न्यूजीलैंड में उच्च शिक्षा की उड़ान

भारत में शिक्षा सुधारों का दौर जारी है, लेकिन आज भी जब बात उच्च शिक्षा की होती है तो भारतीय छात्रों की नजर विदेशी विश्वविद्यालयों पर टिकती है। विदेश में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के बाद अब न्यूजीलैंड को खूब पसंद किया जा रहा है।

पांच प्रमुख संस्थान

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑकलैंड
विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंगटन
यूनिवर्सिटी ऑफ वैक्टो
यूनिवर्सिटी ऑफ कैंटरबरी
यूनिवर्सिटी ऑफ ओटेगो

शिक्षा के क्षेत्र में जबर्दस्त बदलाव के चलते बीते एक दशक में विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों की संख्या में खासा उछाल आया है। इसका एक अहम कारण विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न होना है। वीजा नियमों में सुधार और स्कॉलरशिप के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता के बूते आज हर आय वर्ग का छात्र विदेश में शिक्षा ग्रहण करने का साहस जुटा रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन व ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, जर्मनी, फ्रांस व न्यूजीलैंड भी छात्रों ने पहुंचना शुरू कर दिया है। भारतीय विद्यार्थियों को वर्तमान में न्यूजीलैंड की उच्च शिक्षा काफी प्रभावित कर रही है। हाल में ऑस्ट्रेलिया में हुए हादसों ने भी छात्रों को इस ओर देखने के लिए मजबूर कर दिया है। चार करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले इस देश में अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में खूब बढ़चढ़ कर शिरकत करते है, जिनमें क्रिकेट, रग्बी, नेटबॉल, बैडमिंटन, टेनिस आदि खेलों के नाम प्रमुख हैं। न्यूजीलैंड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नब्बे के दशक में वहां की सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनों के कारण भी अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्तमान में बीस हजार से अधिक विदेशी छात्र-छात्रएं न्यूजीलैंड में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

उपलब्ध पाठयक्रम

न्यूजीलैंड के विभिन्न शिक्षण संस्थानों और विश्वविद्यालयों में अधिकतर सभी विषयों के शिक्षण-प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध रहती है। इन विषयों में इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, बिजनेस स्टडी, साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अलावा साइंस, आर्ट्स, कम्प्यूटर एंड मैथमेटिकल साइंस, सोशल साइंस आदि का नाम प्रमुख है। इसके अलावा यहां की शिक्षा व्यवस्था की विशेषता है कि स्नातक की डिग्री के बाद यदि कोई छात्र या छात्र अपने विषय में बदलाव चाहता है तो उसे एक वर्ष और अधिक पढ़ाई करनी होगी। ऐसी परिस्थितियों में उसे मास्टर की डिग्री को पूरा करने में तीन साल का समय लगता है।

आवेदन का समय

आवेदन के समय की बात करें तो न्यूजीलैंड के अधिकतर पाठयक्रम दो सेमेस्टरों में बंटे हुए हैं, जिनके लिए मुख्य सत्र फरवरी माह से शुरू होकर जून तक चलता है और दूसरा सत्र जुलाई से नवम्बर तक का होता है। आवेदन के लिए अमूमन प्रक्रिया सत्र की शुरुआत से दो माह पूर्व शुरू हो जाती है।

अध्ययन का खर्च

अमेरिका व ब्रिटेन के मुकाबले यहां शिक्षण पर आने वाला खर्च काफी कम रहता है। यहां के विभिन्न संस्थानों में अध्ययन का खर्च अलग-अलग है। अंडरग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सों में विभिन्न विषयों के अध्ययन में अलग-अलग फीस है, किसी भी कोर्स में दाखिले के बाद यहां के संस्थानों में टयूशन फीस पर सालाना लगभग 12 से 20 हजार न्यूजीलैंड डॉलर की फीस लगती है। अगर भारतीय मुद्रा की बात करें तो यहां सालाना पढ़ाई का खर्च लगभग सात से बारह लाख रुपये के बीच आता है।

रहने का खर्च

न्यूजीलैंड के शहरों में पढ़ाई के दौरान छात्र-छात्राओं का खर्च एक समान ही रहता है। यहां रहने, खाने के खर्च की बात करें तो यह सालाना दो से तीन लाख रुपये के बीच आता है।

पढ़ाई के साथ कमाई

शिक्षण सत्र के दौरान न्यूजीलैंड में पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्र-छात्राएं पार्ट टाइम काम भी कर सकते हैं। बैचलर व मास्टर डिग्री से संबंधित विषयों के विद्यार्थी सत्र के दौरान सप्ताह में केवल बीस घंटे ही कार्य कर सकते हैं, जबकि अवकाश के दिनों में पार्ट टाइम कार्य करने की छूट रहती है। इसके अलावा स्थानीय सरकार के द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को कोर्स के उपरांत छह महीने तक वहां कार्य करने की छूट प्रदान की जाती है।

वीजा नियम

न्यूजीलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वीजा लेना आवश्यक है। आवेदन पत्र न्यूजीलैंड दूतावास तथा संबद्ध केन्द्रों पर उपलब्ध होता है। इस संबंध में ज्यादा जानकारी के लिए न्यूजीलैंड दूतावास में सम्पर्क करना बेहतर होगा।

छात्रवृत्ति की सुविधा

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को यहां कई तरह की स्कॉलरशिप/ अवॉर्ड की सुविधा भी मिलती है -
न्यूजीलैंड इंटरनेशनल डॉक्टरल रिसर्च स्कॉलरशिप
न्यूजीलैंड इंटरनेशनल अंडरग्रेजुएट फीस स्कॉलरशिप
न्यूजीलैंड अंडरग्रेजुएट स्टडी एब्रॉड अवॉर्ड
न्यूजीलैंड पोस्ट ग्रेजुएट स्टडी एब्रॉड अवॉर्ड

जोर पकड़ेगी जर्मन भाषा के शिक्षकों की मांग

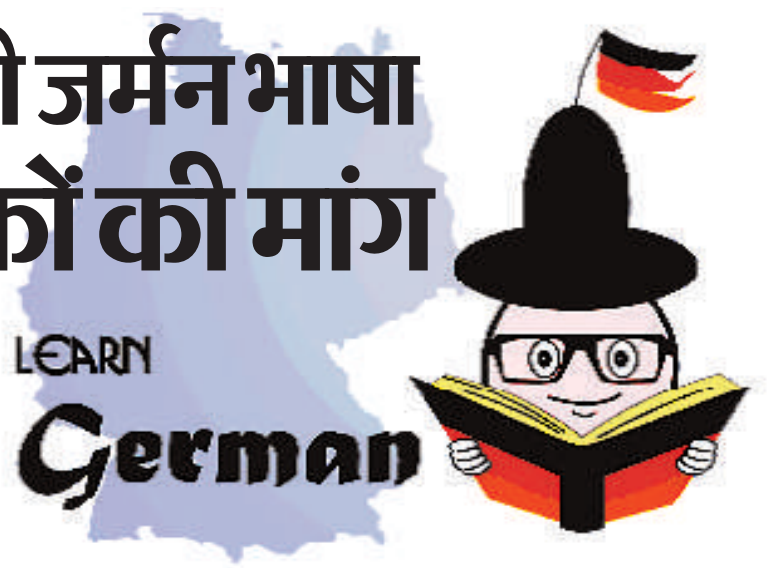

केन्द्रीय विद्यालय हो या नवोदय विद्यालय या फिर केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, सभी ने अपने छात्रों के लिए जर्मन भाषा की पढ़ाई शुरू कर दी है। स्कूलों में हुई इस शुरुआत का परिणाम यह आने वाला है कि अब देशभर में एकाएक जर्मन भाषा के योग्य शिक्षकों की मांग जोर पकड़ेगी।

एक अनुमान के अनुसार आने वाले सालों में देश को 10 हजार से ज्यादा प्रशिक्षित जर्मन शिक्षकों की जरूरत होगी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने कदम बढ़ाया है और जर्मन भाषा में विशेष डिप्लोमा पाठयक्रम की शुरुआत की है। डिप्लोमा इन टीचिंग जर्मन एज ए फॉरेन लैंग्वेज नामक यह पाठयक्रम इग्नू की ओर से पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर नवम्बर से शुरू हो गया है। इस पाठयक्रम में मुख्य साडीदार की भूमिका में जर्मन डिपार्टमेंट ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ वियाना, मैक्समूलर भवन (गोइटे इंस्टीट्यूट), नई दिल्ली शामिल है। यह तीनों ही संस्थान मिलकर 340 छात्रों को जर्मन भाषा में निपुण बनाने जा रहे हैं।

क्या है खास

इग्नू की ओर से इस पाठयक्रम की कोर्स कोऑर्डिनेटर स्कूल ऑफ फॉरेन लैंग्वेज की प्रो. रेनू भारद्वाज ने बताया कि इस पाठयक्रम की सबसे बड़ी विशेषता है इसे बेहद गम्भीरता के साथ तीनों ही सहयोगियों के द्वारा तैयार किया जाना। पाठयक्रम में जहां यूरोपियन पाठयक्रम को महत्त्व देकर इसे ग्लोबल बनाया गया है, वहीं दूसरी ओर इसमें भारतीय शिक्षकों को तैयार करने के लिए भी यहां के ट्रेनिंग मैथेड को इस्तेमाल किया गया है, ताकि शिक्षक तमाम पेचीदगियों को समझ सकें।

अन्य पाठयक्रमों से क्यों है अलग

यह कोर्स इग्नू की ओर से उपलब्ध अन्य पाठयक्रमों से ही नहीं, बल्कि देशभर में जर्मन भाषा से संबंधित अपनी ही तरह का पहला पाठयक्रम है। इस पाठयक्रम में दूरस्थ शिक्षा से परे प्रायोगिक कक्षाओं को अहमियत दी गई है। इन कक्षाओं के लिए विशेषतौर पर छात्रों को 60 घंटे के लिए जर्मन भाषा पढ़ा रहे स्कूलों में ट्रेनिंग के लिए भेजा जायेगा। इसी ट्रेनिंग के आधार पर छात्रों को ग्रेडिंग दी जाएगी और उसके मुताबिक ही तय होगा कि आखिर शिक्षक किस हद तक जर्मन भाषा में निपुण है।

शैक्षणिक योग्यता

इस पाठयक्रम को करने के लिए आवेदन की शैक्षणिक योग्यता भी अहम है। इसे करने के इच्छुक छात्र को ग्रेजुएट होने के साथ-साथ जर्मन भाषा में बी-वन स्तर का ज्ञान होना जरूरी है। इसके बिना इस पाठयक्रम में दाखिला सम्भव नहीं है। पाठयक्रम के लिए निर्धारित न्यूनतम अवधि एक साल है, जबकि अधिकतम तीन साल। यानी छात्र इसे एक से तीन साल के भीतर पूरा कर सकता है।

कहां-कहां है उपलब्ध

यह पाठयक्रम देश के छह बड़े शहरों में उपलब्ध है। इनमें दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलूरू व पुणे के नाम शामिल हैं। पायलट प्रोजेक्ट के लिए भी सभी 340 छात्रों का चुनाव इन्हीं शहरों से किया गया है। पाठयक्रम के लिए छह हजार रुपये की फीस निर्धारित की गई है।

पाठयक्रम का भविष्य

कोर्स कोऑर्डिनेटर प्रो. रेनू भारद्वाज ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत इस प्रयास को अंजाम दिया जा रहा है और फिर इसका फिर से रिव्यू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारी कोशिश रहेगी कि न सिर्फ देश बल्कि विदेशों तक इसका विस्तार किया जाये।

देश के 9 राज्यों में मानसून का इंतजार

अब तक सभी राज्यों को छू लेता था; कश्मीर में बिना मानसून दोगुनी बारिश

नई दिल्ली

देश के 9 राज्य मानसून का इंतजार कर रहे हैं। इसमें जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, लद्दाख, पंजाब ऐसे राज्य हैं, जहां मानसून नहीं पहुंचा है। वहीं हरियाणा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में जल्द मानसून की एंट्री होने वाली है। एक्सपर्ट्स की मानें तो इस अवधि में सभी राज्यों में इसकी एंट्री हो जाती थी। केरल में मानसूनी बारिश 60 फीसदी कम मानसून भी मनमौजी है। जहां समय से पहले पहुंचा, वहां कई जगह काफी कम बारिश हुई है। जहां अभी पहुंचा ही नहीं, वहां सामान्य से ज्यादा बारिश हो चुकी है। जैसे केरल में मानसून समय से पहले पहुंच गया, लेकिन बारिश अब तक औसत से 60 फीसदी कम हुई है। उधर, जम्मू-कश्मीर में मानसून पहुंचा ही नहीं है, पर वहां बारिश 119 फीसदी ज्यादा हो चुकी है। उधर, तेलंगाना और तमिलनाडु में सामान्य से ज्यादा बारिश हो रही है।

बांधों में तेजी से बढ़ रहा पानी

मानसून बेशक धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, लेकिन मूसलाधार बारिश की वजह से बांधों का भरना तेजी से शुरू हो गया है। देश के 143 प्रमुख बांधों में पानी का स्तर 23 जून तक सामान्य से 25 फीसदी अधिक हो चुका था। दक्षिण भारत के लगभग सभी बांधों में सामान्य से 60 फीसदी तक ज्यादा पानी भर चुका है। ऐसा ही रहा तो इस बार बांधों में पानी के स्तर के दशकों के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। हालांकि, अभी उत्तरी राज्यों में जलाशय निचले स्तर पर हैं।

मानसून की 30 जून तक सभी राज्यों में एंट्री

देश में 1 जून से 23 जून तक औसतन 113 मिमी बारिश होती है। 112 मिमी हो चुकी है, यानी देशभर में 23 जून तक औसत बारिश का 100 फीसदी कोटा पूरा हो चुका है। मानसून जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह 30 जून तक सभी राज्यों में एंट्री कर लेगा।

उप्र में मानसून की एंट्री पर बारिश कम

राजस्थान के पश्चिमी जिलों में 23 जून तक औसतन 26.1 मिमी बारिश होती है, जबकि 46 मिमी हो चुकी है। यानी सामान्य से 76 फीसदी ज्यादा। क्क की बात करें तो यहां मानसून प्रवेश कर चुका है, लेकिन बारिश अभी भी 85 फीसदी कम है। मानसून स्क्क का 90 फीसदी एरिया कवर कर चुका है।

ठाकरे सरकार पर संकट

शिंदे के बेटे और बागी विधायक के घर-दफ्तर पर शिवसैनिकों का हमला

» एकनाथ समेत 16 विधायकों को नोटिस जारी

मुंबई

महाराष्ट्र में सियासी उठापटक के पांचवे दिन शिवसेना कार्यकर्ताओं ने एकनाथ शिंदे के बेटे व कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे के दफ्तर पर तोड़फोड़ की है। ठाणे के उल्हासनगर इलाके के दफ्तर में शिवसैनिकों ने पत्थर फेंके हैं। इसके अलावा शिंदे गुट के विधायक तानाजी सावंत के पुणे स्थित घर और दफ्तर पर भी तोड़फोड़ की गई है। इधर, डिप्टी स्पीकर ने एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को नोटिस जारी कर 27 जून तक जवाब मांगा है। नोटिस में कहा गया है कि क्यों न आपकी सदस्यता रद्द कर दी जाए? दरअसल, शिवसेना ने 16 बागी विधायकों के सदस्यता रद्द करने की अर्जी शुक्रवार को डिप्टी स्पीकर को दी थी।

सुलगते बम पर बैठे हैं बागी विधायक: शिवसेना की हाईलेवल मीटिंग में उद्धव ने शिंदे पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा- शिंदे पहले नाथ थे, लेकिन अब दास हो गए हैं। उद्धव ने आगे कहा कि सुलगते बम पर बागी बैठे हुए हैं। बालासाहब का नाम लेकर कोई पॉलिटिक्स नहीं कर पाएंगे।

शिंदे ने जारी की 38 विधायकों की सूची:- गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में विधायकों की बैठक के बाद एकनाथ शिंदे ने 38 विधायकों की सूची जारी की है। इससे पहले, शिंदे ने 23 जून को 34 शिवसेना विधायकों की सूची जारी की थी। महाराष्ट्र में सरकार गिराने के लिए शिंदे को सिर्फ 37 शिवसेना के विधायकों की जरूरत है।

16 बागी विधायकों को नोटिस भेजने की तैयारी

अब तक नरम रुख अपना रहे उद्धव ठाकरे ने अब बागी विधायकों पर सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। उद्धव गुट ने शुक्रवार तक 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की चिट्ठी विधानसभा के डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल को भेजी है। शिवसेना की लीगल टीम भी विधानसभा पहुंची। सरकार ने त को भी तलब कर लिया। संभवतः शनिवार को यानी आज 16 विधायकों को नोटिस भेजा जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

बॉयफ्रेंड से मिलने पाकिस्तान जा रही लड़की बॉर्डर पर गिरफ्तार

पंजाब। सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद बॉयफ्रेंड से मिलने पाकिस्तान जा रही एक युवती को पंजाब पुलिस ने अटारी बॉर्डर पर गिरफ्तार किया गया है। 24 साल की युवती का नाम फिजा खान है और वह मध्यप्रदेश के रीवा जिले की रहने वाली है। युवती के पास पाकिस्तान जाने का वीजा भी था, लेकिन पाकिस्तान जाने से पहले ही उसके नाम का लुक आउट सर्कुलर जारी हो गया। कस्टम विभाग और बीएसएफ के अधिकारियों ने अटारी बॉर्डर युवती को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। रीवा पुलिस युवती को वापस ले जाने के लिए अमृतसर पहुंची है। युवती की कहानी 14 जून से शुरू होती, जब वह अपने घर से डॉक्यूमेंट और पासपोर्ट लेकर भाग गई। उसके परिवार वालों ने रीवा कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराया। युवती का पासपोर्ट भी गायब था जिसके बाद परिवार ने तुरंत पुलिस के जरिए फिजा के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करवा दिया, ताकि वह विदेश न भाग सके।

पाकिस्तानी युवक के प्रेम में फंसी फिजा:- परिवार की तरफ से पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक मामला प्यार से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर फिजा को पाकिस्तानी युवक दिलशाद से प्यार हो गया। दिलशाद के कहने पर फिजा ने पासपोर्ट भी बनवा लिया। कई बार वह पाकिस्तान जाने की बात अपने परिवार से भी कह चुकी थी। इतना ही नहीं, दिलशाद के साथ मिलकर फिजा ने पाकिस्तान का वीजा भी जारी करवा लिया, लेकिन जब वह घर से भाग गई तो मामला परिवार की समझ में आया।

14 जून को परिवार ने लिखवाई शिकायत:- परिवार को फिजा के विदेश भागने का शक पहले ही था। घर में फिजा का पासपोर्ट नहीं मिला तो परिवार वालों ने फिजा के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करवा दिया। इसी दौरान जब फिजा पाकिस्तान जाने के लिए अटारी बॉर्डर पर पहुंची तो कस्टम विभाग के अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। साथ ही फिजा के पाकिस्तान जाने की सूचना पुलिस के साथ-साथ उसके परिवार को भी दी।

रीवा थाने से पुलिस पहुंची लेने:- शनिवार सुबह रीवा की पुलिस अमृतसर रूरल पुलिस के अंतर्गत आने वाले घरिंडा थाने में पहुंच गई, जहां फिजा को रीवा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। एसएचओ घरिंडा करमपाल सिंह ने बताया कि फिजा को रीवा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। अब वे उसका ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के लिए एसडीएम-2 के पास जाएंगे, जहां से रिमांड हासिल करने के बाद वे फिजा को लेकर रीवा के लिए रवाना हो जाएंगे।

देश में कोविड पॉजिटिविटी रेट 4.39 फीसदी पहुंचा

5 राज्यों में पॉजिटिविटी रेट 8 फीसदी से अधिक, बीते 24 घंटे में 15,940 नए केस

नई दिल्ली

देश में कोरोना का कहर एक बार फिर से बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 15,940 नए मामले सामने आए हैं, जो 100 दिनों में सबसे ज्यादा हैं। शुक्रवार को 20 मरीजों की मौत हो गई। देश में कोरोना पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 4.39 फीसदी पर पहुंच गया है। देश के पांच राज्यों में पॉजिटिविटी रेट करीब 8 फीसदी से ज्यादा है इससे एक दिन पहले गुरुवार को 17,336 नए केस मिले थे और 13 लोगों की मौत हुई। देश में एक्टिव केस, यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या भी बढ़कर 90,375 हो गई है। बीते 24 घंटे में 12,401 मरीज रिकवर हुए हैं। देश में मामले बढ़ने के साथ ही एक बार फिर से चौथी लहर को लेकर एक्सपर्ट्स चेतावनी दे रहे हैं।

वैक्सीन ने देश में 42 लाख से अधिक मौतें रोकीं:- देश में कोरोना से हुई मौतों को लेकर मेडिकल जर्नल द लैंसेट ने बड़ा दावा किया है। साल 2021 में कोविड वैक्सीन देश में 42 लाख से अधिक मौतें रोकने में सफल रही है। यह स्टडी 8 दिसंबर, 2020 से 2021 तक देश में मृत्यु दर के अनुमानों पर आधारित है।

मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी को नाम बदलने की इजाजत मिली: कोर्ट ने कहा- नया बर्थ सर्टिफिकेट जल्द जारी होगा

वाशिंगटन।

मशहूर अमेरिकी बिजनेसमैन और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की ट्रांसजेंडर बेटी को कोर्ट ने नाम बदलने की अनुमति दे दी है। 18 साल की जेवियर ने अपना जेंडर बदलवाने के बाद अपना नाम बदलकर विवियन जेना विल्सन कर लिया है। अब वो कानूनी दस्तावेजों पर भी अपना नाम बदलवाना चाहती हैं, इसके लिए उन्होंने एक कोर्ट में नाम बदलने और नया बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने की याचिका दायर की थी।

कोर्ट ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए नाम बदलने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने बताया कि जल्द ही जेवियर को नया जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। पिता से रिश्ता नहीं रखना चाहतीं जेना विल्सन याचिका में जेवियर ने यह भी कहा कि वे अपने बायोलॉजिकल पिता से सभी संबंध खत्म करने की बात भी कही थी। जेना विल्सन ने कहा था, मैं अपने बायोलॉजिकल पिता के साथ ना रहना चाहती हूं ना उनसे कोई रिश्ता रखना चाहती हूं। उन्होंने अपने नाम में अपनी मां का नाम शामिल किया है। विवियन की मां जस्टिन विल्सन कनाडाई लेखिका हैं। जस्टिन विल्सन और एलन मस्क की शादी साल 2000 में हुई थी और 2008 में दोनों का तलाक हो गया। एलन मस्क की ओर से इस बारे में अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। एलन मस्क के 8 बच्चे हैं, उनके बच्चे सोशल मीडिया पर कम ही चर्चा में रहे।

एलन मस्क को लोग एंटी-गे कहते हैं:- एलन मस्क ट्रांसजेंडर मुद्दों पर हमेशा मुखर रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें लोग एंटी-गे भी कहते हैं। मस्क कई मौकों पर फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस की तारीफ भी कर चुके हैं। एक बार मस्क ने कहा था कि वे रॉन डेसेंटिस को पसंद करते हैं, क्योंकि उन्होंने 'गे' विरोधी बिल पेश किया था।

स्पेन में घुसपैठ कर रहे 18 लोगों की मौत

मोरक्को छोड़ने की हड़बड़ी में मची भगदड़, 216 से ज्यादा घायल

सुडान

अफ्रीकी देश मोरक्को को छोड़कर स्पेन में घुसने की कोशिश के दौरान 18 प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि 76 से ज्यादा घायल हो गए। वहीं, मोरक्को के 140 सुरक्षा अधिकारी भी घायल गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार को मोरक्को के नॉर्थ अफ्रीकी एन्क्लेव मेलिला से सटी मोरक्को की बॉर्डर पर मची भगदड़ में यह हादसा हुआ। मोरक्को सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि लोगों ने लोहे की बाढ़ पर चढ़ने की कोशिश की, जिस वजह से भगदड़ मच गई। वहीं, मेलिला में स्पेन सरकार के कार्यालय की तरफ से कहा गया कि 2000 से ज्यादा लोगों ने बॉर्डर पार करने की कोशिश की थी। हालांकि, स्पेनिश सिविल गार्ड और मोरक्को सिक्योरिटी ने उन्हें रोक दिया।

ह्यूमन राइट ग्रुप का दावा- 27 लोगों की मौत हुई

बॉर्डर के दोनों तरफ सिक्योरिटी गॉर्ड्स की सख्ती के बाद भी 133 प्रवासी सीमा लांघने में कामयाब रहे। हादसे के दौरान ही 5 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 13 लोगों की मौत हॉस्पिटल में हुई। दूसरी तरफ मोरक्को के एक ह्यूमन राइट ग्रुप ने 27 लोगों के मारे जाने की बात कही है। गरीबी और हिंसा की वजह से अक्सर लोग मोरक्को से स्पेन में घुसने की कोशिश करते हैं।

यूरोपीय परिषद ने यूक्रेन को 9 बिलियन यूरो की मदद देने का ऐलान किया

यूक्रेनी सेना ने रूसी के एसयु-25 एयरक्राफ्ट को मार गिराया

कीव

रूस और यूक्रेन की बीच जंग पांचवे महीने में पहुंच गई है। शुक्रवार को यूक्रेन ने रूस के एसयु-25 एयरक्राफ्ट को मार गिराया। यूक्रेन एयरफोर्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है। एयरफोर्स ने अपने बयान में बताया कि 24 जून को माइकोलाइव स्थित 79 वें एयर असॉल्ट ब्रिगेड के वायु रक्षा डिवीजन के एक सैनिक ने रूसी एयरक्राफ्ट को मार गिराया है। इससे पहले 22 जून को यूक्रेनी सैनिकों ने रूस की एक मिसाइल और दो ड्रोन मार गिराए थे।

पिछले 4 महीने से ज्यादा समय से युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन की मदद के लिए कई देश और संगठन आगे आ रहे हैं। यूरोपीय परिषद ने यूक्रेन की मदद के लिए 9 बिलियन यूरो, यानी 578 अरब 10 करोड़ 20 लाख रुपए की मंजूरी दी है। यूरोपीय

परिषद ने शिखर सम्मेलन में इसकी घोषणा की।

पोलैंड के प्रधानमंत्री माटुस्ज मोराविएकी ने शिखर सम्मेलन के बाद इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि हमने यूक्रेन की मदद का फैसला किया है। वो महीने से जंग से प्रभावित है, उसके पास डॉक्टरों, टीचर्स, पुलिस, सैनिकों को भुगतान करने में परेशानी हो रही है।

यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूसी सैनिक लुहांस्क के पास यूक्रेनी सेना को घेरने का प्रयास कर रहे हैं। इलाके में रूस ने हवाई हमले तेज कर दिए हैं। इससे कई बस्तियां तबाह हो गईं और न जाने कितने लोगों की मौत हुई। दुश्मन सिविएरोडोनेट्सक पर कब्जा करना चाहता है।

रूस अभी लुहांस्क के पास यूक्रेनी सेना को घेरने और रास्तों को बंद करने के लिए अभियान चला रहा है। वहीं यूक्रेन की सेना ने लुहांस्क के कुछ इलाकों और खेरसॉन के कुछ इलाकों में रूसी सैनिकों को खदेड़ दिया।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

गौरव गिल डब्ल्यूआरसी सफारी रैली से बाहर

नई दिल्ली। भारत के अर्जुन पुरस्कार विजेता चालक गौरव गिल को विश्व रैली चैम्पियनशिप (डब्ल्यूआरसी) सफारी रैली कीनिया में शानदार शुरुआत के बाद इंजन में खराबी के कारण बाहर होना पड़ा। तीन बार के एशिया पैसिफिक रैली चैम्पियन और 7 बार भारतीय राष्ट्रीय रैली चैम्पियनशिप जीतने वाले गिल का वाहन धूल में फंस गया जिससे उनका इंजन खराब हो गया। गिल ने डब्ल्यूआरसी-दो के पहले और तीसरे चरण में जीत दर्ज की थी और उन्हें यहां खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। इस रैली को दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण रैलियों में से एक माना जाता है। गिल ने कहा कि मैं इस रैली से बाहर होने पर निराश हूं, लेकिन अन्य आयोजनों की तरह मेरे लिए यह शानदार अनुभव था।

भारतीय महिला के सामने टीम अंडर-23 फुटबॉल टूर्नामेंट में अमेरिका की चुनौती

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम शनिवार को स्वीडन के लारोड्स आईपी में तीन देशों की अंडर 23 टूर्नामेंट के दूसरे मैच में अमेरिका के खिलाफ आक्रामक खेल का सहारा लेने की कोशिश करेगी। पिछले मैच में इंजरी-टाइम (आखिरी क्षणों) में गोल खाने के कारण टीम को स्वीडन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भी कोच सुरेन छेत्री की टीम के प्रदर्शन की काफी तारीफ हुई। छेत्री ने कहा- अगर हम जीतना चाहते हैं, तो हमें गोल करना होगा। हम इस मैच में भी वैसे ही खेलेंगे जैसे हमने स्वीडन के खिलाफ खेला था। टीम इस बार अधिक आक्रमण करने पर ध्यान देगी। कोच ने कहा- पिछले मुकाबले में हार का सामना करना दुखद था लेकिन लड़कियों ने विश्व फीफा रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया था। स्वीडन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली गोलकीपर अदिति चौहान ने कहा- मैं उस प्रदर्शन से काफी खुश हूं । यह शायद अब तक का मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। सीनियर खिलाड़ी के तौर पर आप खुद से ऐसा ही उम्मीद करते है।

फीकी रही मुरली विजय की क्रिकेट में वापस, बनाए मात्र इतने रन

चेन्नई। भारतीय टीम से बाहर किए गए टेस्ट बल्लेबाज मुरली विजय ने करीब दो साल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। वह यहां से करीब 700 किमी दूर स्थित तिरूनेलवेली में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में रूबी ट्रिची वारियर्स के लिए खेलने उतरे। हालांकि वह 13 गेंद में 8 रन ही बना सके और रन आउट हुए। अंतिम बार सितंबर 2020 में दुबई में इंडियन प्रीमियर लीग मैच में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलने वाले 61 टेस्ट के अनुभवी विजय घरेलू क्रिकेट में भी तमिलनाडु के लिये नहीं खेले थे और न ही वह पिछले साल टीएनपीएल में खेले थे। वह स्थानीय टीएनसीए लीग में भी नहीं खेले थे। वह अंतिम बार तमिलनाडु के लिए दिसंबर 2019 में रणजी ट्राफी में खेले थे। उनका भारत के लिए अंतिम टेस्ट 2018 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में था। टीएनपीएल से पहले विजय ने कहा था कि मैं जितना संभव हो सके, उतने लंबे समय तक खेलना चाहता हूं। मैंने व्यक्तिगत ब्रेक लिया था। उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार की देखभाल करना चाहता था। मैं अभी अपने क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं और मैं पूरी तरह से फिट महसूस कर रहा हूं।

रणजी में मप्र की बढ़त 100 पार

यश, शुभम के बाद रजत का सैकड़ा, पहली पारी में मध्यप्रदेश का स्कोर 475/6

मुंबई

रणजी ट्रॉफी फाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश की टीम मजबूत स्थिति पर आ गई है। उसने चौथे दिन के पहले सेशन में शानदार प्रदर्शन किया और पहली पारी में 101 रन की बढ़त हासिल कर ली है। लंच तक तक टीम ने छह विकेट पर 475 रन बना लिए हैं। रजत पाटीदार (120*) ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का आठवां शतक पूरा किया। जबकि सारांश जैन नाबाद 20 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं।वहीं, कप्तान आदित्य श्रीवास्तव 25 रन, अक्षत रघुवंशी 9 और पार्थ साहनी 11 के निजी स्कोर पर आउट हुए। तीसरे दिन शुभम शर्मा (116) और यश दुबे (133) ने शतक जमाए थे।

मुंबई पहली पारी में 374 रन पर आउट

अगर यह मैच ड्रॉ होता है तो विजेता का फैसला पहली पारी की बढ़त पर ही होगा। मप्र ने चौथे दिन की शुरुआत 368/3 के स्कोर से की। रजत ने 67 और आदित्य ने 25 से पारी की शुरुआत की है।

दूसरा दिन मुंबई के नाम रहा। उसकी ओर से सरफराज खान ने शतक जमाते हुए अपनी टीम का स्कोर 374 रन पहुंचाया। सरफराज खान ने 134 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 243 गेंदों का सामना किया और 13 चौके और 2 छक्के लगाए। 24 साल के सरफराज ने अपने फर्स्ट क्लास करियर का आठवां शतक जमाया है। पिछली 14 रणजी पारियों में सरफराज एक तिहरा शतक, दो दोहरे शतक, चार शतक और तीन अर्धशतक लगा चुके हैं।

गौरव को चार, अनुभव को दो विकेट

दूसरे दिन मध्यप्रदेश के गेंदबाजों ने भी दबाव बनाए रखा। उन्होंने सरफराज को खुलकर नहीं खेलने दिया। गौरव यादव ने चार, अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिया।

मुंबई की अच्छी शुरुआत के बाद मप्र की वापसी

मैच में पृथ्वी शॉ और यशस्वी जायसवाल ने मुंबई को अच्छी शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 87 रन जोड़े। शॉ 79 बॉल पर 5 चौके और एक छक्का जमाने के बाद मीडियम पेसर अनुभव अग्रवाल की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद जायसवाल ने अरमान जाफर के साथ मिलकर मुंबई को 100 रन के पार पहुंचाया। मुंबई का दूसरा विकेट 120 रन के स्कोर पर गिरा, जब जाफर 56 गेंदों पर 26 रन बनाकर ड्रेसिंग रूम लेफ्ट आर्म स्पिनर कुमार कार्तिकेय की गेंद पर यश दुबे को कैच थमा बैठे। शाम होते-होते मुंबई ने पांच विकेट गंवा दिए थे।

बेयरस्टो-ओवर्टन ने तोड़ा 62 साल पुराना रिकॉर्ड

दोनों ने इंग्लैंड की ओर से 7वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी की, टीम का स्कोर 264/6

नई दिल्ली

जॉनी बेयरस्टो के शतक और जेमी ओवर्टन के साथ उनकी रिकॉर्ड पार्टनरशिप के दम पर इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जोरदार वापसी की। न्यूजीलैंड ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 329 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम एक समय 55 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से बेयरस्टो और ओवर्टन ने सातवें विकेट के लिए नाबाद 209 रन की साझेदारी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। इंग्लैंड ने दूसरे दिन स्टंप्स तक 6 विकेट खोकर 264 रन बना लिए हैं। बेयरस्टो 130 और ओवर्टन 89 रन बनाकर नाबाद हैं। कीवी टीम की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने तीन विकेट चटकाए, जबकि नाइल वेगनर को दो विकेट मिले। टिम साउदी को एक सफलता मिली। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड अब 65 रन ही पीछे है। बेयरस्टो और ओवर्टन ने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सातवें विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी की है। इन दोनों ने जिम पार्क और माइक स्मिथ के 62 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा है। पार्क और स्मिथ ने 1960 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में सातवें विकेट के लिए 197 रन की साझेदारी की थी। शतकीय पारी की मदद से जॉनी बेयरस्टो के टेस्ट में 5 हजार रन पूरे हो गए हैं। वे ऐसा करने वाले इंग्लैंड के 24वें खिलाड़ी बने हैं।

अमेरिकी उसैन बोल्ट : जिसने दो बार तोड़ा जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड; 200 मी में तो बोल्ट को ही पीछे छोड़ा

वाशिंगटन

जब एरियॉन नाइटन ने अपने 18वें जन्मदिन से कुछ महीने पहले 30 अप्रैल को 200 मीटर में दुनिया का चौथा सबसे तेज समय निकाला, तब उनके साथी स्प्रिंटर माइकल चैरी ने कहा- इस लड़के ने तो कमाल कर दिया। तब नाइटन हाई स्कूल ग्रेजुएट होने से कुछ हफ्ते दूर थे और उन्होंने एलएसयू इन्विटेशनल में 200 मीटर रेस 19.49 सेकंड में पूरी की और उसैन बोल्ट द्वारा बनाए वर्ल्ड जूनियर रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वे जानते थे कि वे बहुत तेजी से दौड़े हैं, लेकिन यह नहीं जानते थे कि उनका नतीजा अब तक के तीन सबसे महान धावकों से आगे है। वे बोल्ट के अलावा जमैका के ही योहान ब्लैक और अमेरिका के माइकल जॉनसन से भी तेज रहे। स्प्रिंटिंग में सुधार अक्सर एक सेकंड के सौवें हिस्से में होता है। लेकिन नाइटन ने अपने पिछले बेस्ट 19.84 सेकंड से काफी तेज समय निकाला। जबकि वह उनके सीजन की पहली 200 मीटर रेस थी। नाइटन ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने नहीं सोचा था कि वे 20-21 साल तक ऐसा समय हासिल कर सकेंगे। जब कोच माइक होलोवे ने उन्हें समय बताया तो नाइटन ने कहा- क्या सच में मैंने ऐसा किया है उनका ऐसा सोचना लाजमी है क्योंकि अब तक कोई भी टीनएजर इतना तेज नहीं दौड़ा था। न बोल्ट, न ही कोई और।

टोक्यो ओलिंपिक में चौथा स्थान हासिल किया था

अमेरिका के नाइटन अपने 17वें जन्मदिन से कुछ हफ्ते पहले जनवरी 2021 में पेशेवर स्प्रिंटर बन गए थे। कुछ महीनों बाद वे टोक्यो ओलिंपिक में 200 मीटर में 19.93 सेकंड के साथ चौथे नंबर पर रहे थे। इसलिए इन इवेंट्स में उनकी जीत अप्रत्याशित नहीं थी। लेकिन इतनी कम उम्र में जिस तेजी से उन्होंने फिनिश लाइन पार की, वह चौंकाने वाला रहा। नाइटन इस हफ्ते यूजीन में होने वाली यूएस ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में जब फील्ड पर उतरेंगे तो सभी को उनसे मेडल की उम्मीद होगी। वे इसके जरिए वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करना चाहेंगे। 6 फीट 3 इंच लंबे नाइटन हाइट का फायदा उठाते हैं। उनके पैर भी काफी लंबे हैं, जिससे छोटे स्प्रिंटर की तुलना में उन्हें कम कदम उठाने होते हैं। जब नाइटन टोक्यो गेम्स में उतरे थे तो उनकी उम्र 17 साल थी। वे 1964 के बाद सबसे युवा अमेरिकन ट्रैक ओलिंपियन बने थे। वे फाइनल में पहुंचने वाले 125 साल में सबसे युवा पुरुष एथलीट थे। अगर वे जुलाई में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई कर जाते हैं तो उनसे पोडियम फिनिश करने की उम्मीद होगी। 2024 पेरिस ओलिंपिक तक उनकी उम्र 20 साल होगी।

बार्सिलोना की लेवानडोस्की को 330 करोड़ की पेशकश

रोनाल्डो को बुलाने का प्रयास कर सकता है जर्मन क्लब बायर्न

बार्सिलोना

स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना और पोलैंड के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवानडोस्की के बीच करार की बातें दिन ब दिन बड़ी होती जा रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेनिश क्लब लेवानडोस्की को अपने साथ जोड़ने के लिए 40 मिलियन पाउंड (करीब 330 करोड़ रु.) की पेशकश कर सकता है। इसमें 35 मिलियन पाउंड (करीब 288 करोड़ रु.) के साथ कुछ एड-ऑन्स भी हैं यानी अतिरिक्त राशि। हालांकि, लेवानडोस्की के क्लब बायर्न म्यूनिख को 2021 के फीफा बेस्ट प्लेयर के लिए यह राशि कम लग रही है। बायर्न लेवानडोस्की को साथ रखने के लिए अडिग है।

लेवानडोस्की ने कहा था कि वे बायर्न के साथ नहीं रहना चाहते:- प्रबंधन का क्लब को सुझाव है कि वे लेवानडोस्की को न छोड़ें। कम से कम तब तक तो न छोड़ें जब तक कि उनका करार खत्म नहीं हो जाता। लेवानडोस्की का बायर्न से करार 2023 तक का है। दूसरी ओर, लेवानडोस्की बार्सिलोना से जुड़ने के इच्छुक हैं। लेवानडोस्की ने कहा था कि वे बायर्न के साथ नहीं रहना चाहते। उनके टीम छोड़ने के हितों के कारण कोच जूलियन नेगल्समैन के साथ संबंध खराब हो चुके हैं। 33 साल के लेवानडोस्की ने 2021-22 सीजन में जर्मन क्लब की ओर से सभी प्रतियोगिताओं के 46 मैच में 50 गोल किए थे। यूरोपियन मीडिया की रिपोर्ट्स में यह भी बताया जा रहा है कि अगर लेवानडोस्की बायर्न म्यूनिख छोड़ देते हैं तो क्लब क्रिस्टियानो रोनाल्डो को अपने साथ जोड़ने के प्रयासों को और तेज कर देगा।

एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप

एक माह का अंतर रहने पर दोनों में भाग लूंगा : बजरंग

नई दिल्ली

भारत के शीर्ष पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि अगर स्थगित किए गए एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप के बीच कम से कम एक महीने का अंतर होता है तो वह अगले साल इन दोनों प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। चीन में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण एशियाई खेल 2022 को स्थगित कर दिया गया था और आयोजकों ने अभी तक इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता की नई तारीखों की घोषणा नहीं की है। विश्व चैम्पियनशिप सितंबर 2023 में रूस में होगी और वह ओलिम्पिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। बजरंग ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सम्मान समारोह के दौरान वर्चुअल बातचीत में कहा कि 2023 महत्वपूर्ण वर्ष है। मेरा लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप से पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करना रहेगा। हमें अभी नहीं पता कि एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के बीच कितना अंतर रहेगा। उन्होंने कहा कि लेकिन यदि दोनों के बीच एक या डेढ़ महीने का समय होता है, तो मैं दोनों में भाग लूंगा। टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाले 28 वर्षीय बजरंग पिछली गलतियों से परेशान नहीं होना चाहते हैं और अपना ध्यान पेरिस ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने पर लगाना चाहते हैं। बजरंग ने कहा कि मैं चोटिल हो गया था और ओलिम्पिक के बाद 8 महीनों तक इससे उबर रहा था। ओलिम्पिक किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

चिली से 1-3 से हारी भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

एक्विलेया (इटली)। भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम बेहतर प्रदर्शन के बावजूद यहां चार देशों के टूर्नामेंट के दूसरे मैच में चिली से 1-3 से हार गई। अपने शुरुआती मैच में इटली की टीम 0-7 से हारने के बाद भारतीय टीम इस मैच में उतरी थी। दोनों टीम की धीमी शुरुआत के बावजूद भारत को डिफेंडर नाकेता के प्रयास से बढ़त हासिल करने का मौका मिला, लेकिन उनकी फ्री-किक पर चिली ने गोल नहीं होने दिया। कैटरीन रामोस ने 11वें मिनट में चिली की तरफ से पहला गोल किया जबकि मैटी ने 19वें मिनट में उसकी बढ़त दोगुनी कर दी। चिली मध्यांतर तक 2-0 से आगे था। भारत दूसरे हॉफ में वापसी के लिए बेताब दिखा और नेहा के पास पर काजोल गोल करने में सफल रही।

न्यूज ब्रीफ

अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस 26 जून को

रायपुर। प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस 26 जून के अवसर पर नशापान के विरूद्ध जनजागरूकता लाकर सकारात्मक वातावरण तैयार करने का प्रयास किया जाएगा। नशे के विरूद्ध व्यापक जनमत विकसित करने के सभी जिलों में विभिन्न विभागों के सहयोग से व्यापक प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता के लिए अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में समाज कल्याण विभाग द्वारा सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं।

नशापान करने के विरूद्ध समाज में जागरूकता लाने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं युवा कल्याण, महिला एवं बाल विकास, जनसम्पर्क, पंचायत, आबकारी और नगरीय प्रशासन विभाग को विशेष प्रयास करने कहा गया है। नशे की रोकथाम के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा समुदाय में जागरूकता लाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके लिए स्थानीय संस्कृति एवं परम्परा को भी ध्यान में रखते हुए आयोजन करने कहा गया है। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए भारत माता वाहिनी के माध्यम से पंचायतों में नशा मुक्ति के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। अन्तर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर लोगों से संवाद स्थापित कर उन्हें नशापान से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। नशामुक्ति के लिए नशा तथा एड्स प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसके साथ ही रेडियो और टीव्ही के माध्यम से नशा मुक्ति कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा। विद्यार्थियों में नशापान के विरूद्ध जागरूकता लाने के लिए प्रेरक उद्बोधन के माध्यम से प्रयास किये जाएंगे।

आवेदक फर्जी फोन कॉल से रहे सावधान, तत्काल पुलिस को करे सूचित

बलौदाबाजार। जिलें में चल रहे विभिन्न विभागों के भर्तियों प्रक्रिया अंतर्गत आवेदकों से पैसे मांगने संबंधित फर्जी फ़ोन कॉल आने की गंभीर शिकायत आवेदकों द्वारा की गयी है। जिस कलेक्टर डोमन सिंह एवं एसपी दीपक झा ने सभी आवेदकों से फ्रॉड कॉल से बचने कहा है। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की आवश्यक जानकारी फोन से साझा नही करने कहा गया है। ऐसे कॉल आते ही आवेदक अनिवार्य रूप से अपने नजदीकी पुलिस थाना में जाकर शिकायत दर्ज कराए एवं संबंधित विभाग को भी अवगत कराएं।

भर्ती प्रक्रिया के बारे में अधिकृत जानकारी केवल जिले के वेबसाइट, विभाग की वेबसाइट, विभाग की सूचना पटल एवं जनसम्पर्क विभाग के द्वारा समय समय पर जारी समाचार से ही दी जाती। सभी आवेदक नियमित रूप से जिले की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट बलौदाबाजार डॉट जीओवी डॉट इन का नियमित रूप से अवलोकन करते रहे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने किसान अर्जुन दीवान के घर किया दोपहर का भोजन

कटहल, कुल्थी दाल,बैंग भाजी अरसा और महुआ गुड़ा का लिया स्वाद

रायपुर । मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अपने भेंट मुलाकात के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम के दौरान जशपुर जिले के दुलदुला विकाशखण्ड के ग्राम पतराटोली में किसान अर्जुन सिंह दीवान के घर दोपहर का भोजन किया। भोजन में उन्होंने स्थानीय कटहल की सब्जी, आमटी भाजी, बैंग भाजी,कुल्थी की दाल, कोयनार,सुनसुनिया भाजी, महुआ गुड़ा, मुनगा भाजी,साखी कांदा ,अरसा और आलू बड़ी, मडुवा हलुवा और महुवा गुडा का लिया स्वाद लिया। इस अवसर पर कुनकुरी विधायक श्री यू. डी. मिंज भी मुख्यमंत्री के साथ थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि गांव के किसान के घर खाना खाकर जो आनंद की अनुभूति हुई वो किसी रेस्टोरेंट में खाकर भी नही आता। शुद्ध देशी और छत्तीसगढिया खाना का यह स्वाद हमेशा याद रहेगा। घर आगमन पर घर के सदस्यों ने मुख्यमंत्री का परम्परागत तरीके से आत्मीय स्वागत्व किया। 80 वर्षीय किसान अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री के साथ भोजन कर बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि यह मेरा और परिवार का सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री आज मेरे घर भोजन पर आए। भोजन के दौरान विधायक श्री यू डी मिंज भी मौजूद थे। खाना के पश्चात मुख्यमंत्री ने घर के सदस्यों को उपहार भी भेंट किया।

फरसाबहार में 67 स्थानों पर देवगुड़ी के लिए दो करोड़ की स्वीकृति

कोल्हेजहारिया में प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावास और फरसाबहार में प्रारंभ होगी सहकारी बैंक की शाखा

रायपुर। कोल्हेजहारिया में प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावास और फरसाबहार में प्रारंभ होगी सहकारी बैंक की शाखामुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जशपुर जिले में फरसबहार विकासखण्ड में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम की शुरूआत पमशाला में ईब नदी के तट पर स्थित कंवर समाज के मंदिर राधा कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ की। मुख्यमंत्री ने ईब नदी के तट पर आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में ग्राम कोल्हेजहारिया में प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावास तथा पुलिस चौकी की स्थापना, तपकरा में नायब तहसीलदार कोर्ट की घोषणा की। उन्होंने फरसाबहार के हाथी प्रभावित क्षेत्र में हाई मास्ट लाइट लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने तपकरा में स्वामी आत्मानंद स्कूल खोलने, फरसाबहार में सहकारी बैंक प्रारंभ करने, पमशाला के हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी में उन्नयन, फरसाबहार में 67 स्थानों पर देवगुड़ी के सौंदर्यीकरण के लिए दो करोड़ की स्वीकृति की घोषणा की। पमशाला पहुंचने पर वहां मुख्यमंत्री का स्वागत पगड़ी और साफा पहनाकर किया गया।

मुख्यमंत्री ने पमशाला में छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में किसानों और ग्रामीणों से शासकीय योजनाओं की मैदानी स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से हाट बाजार क्लिनिक योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लघुवनोपजों की खरीदी और वेल्यू एडिशन को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसका लाभ भी वनवासियों को मिल रहा है। सबसे पहले जशपुर से ही महुआ से सेनेटाईजर बनाया गया। कार्यक्रम में सितरेंगा के रजनी कुजूर ने बताया कि उन्होंने राशन कार्ड के लिए आवेदन किया है। मुख्यमंत्री ने जल्द ही राशनकार्ड बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साजबहार के दीपक ने वन अधिकार पट्टा की मांग की। मुख्यमंत्री ने इस पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल फरसाबहार के बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए जल्द ही बस की सुविधा मिलेगी। ग्राम पमशाला में मुख्यमंत्री ने इस स्कूल बच्चों से मुलाकात के दौरान बच्चों की सुविधा के लिए कलेक्टर को जल्द ही बस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्वामी आत्मानंद स्कूल के बच्चों से स्कूल की गतिविधियों और पढ़ाई-लिखाई की जानकारी ली। फरसाबहार आत्मानन्द स्कूल के छात्र नूतन कुमार ने बताया कि स्कूल में पढाई अच्छी होती है। स्कूल में लैब और लाइब्रेरी आदि की सभी सुविधाएं हैं। स्कूल में अभी 500 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैंस्कूल में लैब और लाइब्रेरी आदि की सभी सुविधाएं हैं। स्कूल में अभी 500 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चों ने स्कूल दूर होने के कारण बस सुविधा की मांग की । मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को बस की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

आंगनबाड़ी केंद्र जहां एक भी बच्चा कुपोषित नहीं

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जशपुर जिले के दुलदुला विकासखण्ड के ग्राम पतराटोली के आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचे। यहां उनका स्वागत नन्हे बच्चों ने कागज के पुष्प भेंट कर किया। पतराटोली का आंगनबॉडी केंद्र मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र है, जहां 20 बच्चे दर्ज है। खास बात यह है कि यहां एक भी बच्चा कुपोषित नहीं है। इस केन्द्र में सभी बच्चे कुपोषण से मुक्त हो गए हैं। यहां मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से बच्चों का भविष्य संवर रहा है। योजना के तहत 0 से 6 वर्ष के बच्चों को कुपोषण व एनीमिया से बचाने अतिरिक्त पोषण आहार दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ सहायता योजना से होगा रमा का इलाज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशव्यापी भेंट- मुलाकात कार्यक्रम के तहत आज दुलदुला विकासखंड के ग्राम पतराटोली में लोगों से चर्चा की और उनसे शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर फीडबैक लिया। इसी बीच भेंट-मुलाकात में गंभीर बीमारी से ग्रसित रमा ताम्रकार ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को अपने बीमारी के बारे में बताया और आर्थिक मदद की अपील की। रमा ने बताया कि उसे गम्भीर बीमारी है, बेहतर इलाज के लिए पैसों की आवश्यकता है, आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वह ठीक तरह से अपना इलाज नहीं करा पा रही है। उसका इलाज दिल्ली में चल रहा है, पैसों की जरूरत है। रमा की समस्या सुनकर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए कहा कि उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, उनका इलाज मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ सहायता योजना से किया जाएगा, मुख्यमंत्री ने रमा को इलाज का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि इस योजना के तहत 20 लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा है। मुख्यमंत्री के संवेदनशीलता पर रमा ने आभार प्रकट करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

कोरोना वायरस के प्रसार के नियंत्रण हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित की जाए : कलेक्टर

कोरोना टास्क फोर्स की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

बालोद। कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे ने कहा कि देश के कुछ बड़े शहरों में कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए बालोद जिले में भी कोरोना वायरस के प्रसार के नियंत्रण हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने को कहा है। जिससे कि समय रहते स्थिति पर नियंत्रण रखी जा सके। कलेक्टर श्री महोबे कल शुक्रवार को कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आयोजित कोरोना टास्क फोर्स की बैठक में स्वास्थ्य एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले में शतप्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एल.मेरिया, मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ.एस.एस.देवदास सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में श्री महोबे ने टीकाकरण कार्य की विस्तृत समीक्षा करते हुए 30 जून तक सभी फ्रंटलाईन वर्करों का शतप्रतिशत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य में उन्होंने एस.डी.एम. आदि अधिकारियों का भी सहयोग लेने को कहा। इस दौरान उन्होंने 12 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के बच्चों तथा 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के टीकाकरण कार्य की भी समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने सैम्पलिंग के कार्य को भी सुचारू रूप से जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक में श्री महोबे ने हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर तथा जर्जर अस्पतालों में पानी की समस्या के संबंध में जानकारी ली। श्री महोबे ने सुदूर वनांचल के गॉव के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मोबाईल मेडिकल कैम्प लगाने के भी निर्देश दिए।

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया से प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज पदाधिकारियों ने कीसौजन्य मुलाकात

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने किया आमंत्रित

रायपुर। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने किया आमंत्रितनगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया से प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अध्यक्ष श्री आर.पी. भतपहरी के नेतृत्व में रायपुर निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। अध्यक्ष श्री भतपहरी ने सभी पदाधिकारियों का मंत्री डॉ. डहरिया से परिचय करवाया। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि समाज को नई दिशा देने, समाज को मजबूती देने में आप सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आप सभी सामाजिक जिम्मेदारियों एवं कर्तव्यों का निर्वहन आपसी समन्वय के साथ करें। आप सभी से सतनामी समाज को बड़ी अपेक्षा रहेगी। पदाधिकारियों ने उन्हें आगामी समय में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही अन्य सामाजिक मुद्दों पर चर्चा भी की।

इस अवसर पर सर्व श्री रेशम लाल घृतलहरे, श्री परमेश्वर सांडे, श्रीमती गिरिजा पाटले, एस.आर. बंजारे, श्री श्यामजी टांडे, श्री विजय कुर्रे, श्री लक्ष्मीकांत कोसरिया, श्री रघुनाथ भारद्वाज, श्रीमती नूतन कुर्रे, श्रीमती द्रोपति जोशी, श्रीमती निशा ओगरे, श्री राजमहन्त पी.एल. कोसरिया, श्री भागवत प्रसाद घृतलहरे, श्री अश्वनी कुमार त्रिवेंद्र, श्री नरोत्तम घृतलहरे, श्री बिलोक चंद्र खरे, डॉक्टर दिनेश लाल जांगड़े, श्री शंकर सोनवानी, श्री विनोद भारती, श्री सुंदर जोगी, श्री मनीष रात्रे, श्री विजय डहरिया, श्री सुनील भतपहरी, श्री मृगेंद्र सोनवानी, श्री सुनील बंधे, श्री कृष्णा कोसले, श्री शैलेन्द्र पाटले एवं श्रीमती पुष्पा पाटले सहित अन्य सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में मौजूद थे।

बेंवरती गौठान में सब्जी उत्पादन

रोजगार की चिंता से मुक्त हुई स्व-सहायता समूह की महिलाएं

उत्तर बस्तर कांकेर। जिले के गौठानों को ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है, यहां महिला स्व-सहायता समूह के सदस्यों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का संचालन जैसे- सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन इत्यादि गतिविधियों के साथ मिनी राईस मिल, दाल मिल भी संचालित की जा रही है ताकि ग्रामीणजन उसे देंखे, समझें और उनका अनुकरण कर अपने घरों में भी अपनायें। कांकेर विकासखण्ड के बेंवरती गौठान में विभिन्न गतिविधियों के साथ ही 'जय बूढ़ी मॉ' स्व-सहायता समूह और 'महानदी' स्व सहायता समूह की सदस्य महिलाओं द्वारा सब्जी उत्पादन का कार्य किया जा रहा है, जिससे उन्हें लगभग 01 लाख 15 हजार रूपये की आमदनी हो चुकी है। इसके अलावा अपने घरों में भी सब्जी का उपयोग उनके द्वारा किया गया, जिससे उन्हें आर्थिक बचत हुई है। गौठान में आजीविका के साधन और आय में वृद्धि के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र कांकेर के वैज्ञानिकों द्वारा उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

महिला स्व-सहायता समूह के अध्यक्ष श्रीमती पार्वती नेताम ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा लगभग दो एकड़ भूमि में सब्जी उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बोर खनन करवाया जाकर टपक सिंचाई की व्यवस्था की गई। कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में उन्होंने मौसम एवं जलवायु के अनुरूप सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया, जिससे उन्हें रोजगार का जरिया प्राप्त हुआ और स्वयं के लिए भी उपयोग कर रहे हैं। उनके द्वारा लगभग 10 हजार रूपये मूली, बैंगन 06 हजार रूपये, टमाटर 08 हजार रूपये, चेरी टमाटर 04 हजार रूपये, मिर्च 04 हजार 500 रूपये, मटर 20 हजार रूपये, चना बूट 10 हजार रूपये, धनिया 06 हजार रूपये, आलू 29 हजार रूपये, लौकी 06 हजार रूपये, कद्दू 08 हजार रूपये एवं पत्तेदार सब्जियों के विक्रय से लगभग 05 हजार रूपये की आमदनी हुई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उनके द्वारा लौकी, कद्दू, हल्दी, जिमिकंद, अदरक इत्यादि की फसल ली गई है। जिससे लगभग 09 क्विंटल लौकी, 10 क्विंटल कद्दू, 10 से 12 क्विंटल हल्दी, 40 से 45 क्विंटल जिमिकंद एवं लगभग 05 क्विंटल अदरक का उत्पादन होने की संभावना है, जिससे उन्हें अच्छी आमदनी होगी। उन्होंने बताया कि लौकी और कद्दू का विक्रय स्थानीय बाजारों में किया जा रहा है।

हमर पारा हमर क्लीनिक योजना बनी पहुंचविहीन क्षेत्र के लिये वरदान

जिले में 5885 क्लीनिक लगाकर 149609 लोगों को किया गया लाभान्वित

जशपुरनगर । कलेक्टर श्री रितेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण एवं सुचारू संचालन तथा प्रत्येक जनता तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के दृष्टिगत जनता को उसके पारा-टोला-मोहल्ला में सप्ताह में एक दिन स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने हेतु जिले में हमर पारा हमर क्लीनिक योजना का आयोजन किया जा रहा है। जिससे पहुंचविहीन एवं सुदूर वनांचल क्षेत्र में भी योजना के तहत स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा क्लीनिक लगाकर स्वास्थ्य सेवायें प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखण्ड बगीचा के पहुंचविहीन पाठ क्षेत्र के ग्राम कपतुरा में विगत दिवस को हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर मैना के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के द्वारा हमर पारा हमर क्लीनिक का आयोजन किया गया। जिसमें 58 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार एवं निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है कि हमर पारा हमर क्लीनिक में अब तक जिले में 5885 क्लीनिक लगाकर 149609 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है तथा वर्तमान में जिले में संचालित एनीमिया मुक्त जशपुर अभियान के तहत् हिमोग्लोबिन जांच का कार्य भी हमर पारा हमर क्लीनिक में किया जा रहा है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)